website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 48 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 28 जनवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

श्रीनगर में बर्फबारी से जनजीवन अस्त-व्यस्त, उड़ानें रद्द, कई हाईवे बंद

श्रीनगर। श्रीनगर और आसपास के इलाकों में लगातार हो रही हल्की से मध्यम बर्फबारी के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बर्फ जमने से हवाई और सड़क यातायात दोनों पर असर पड़ा है। खराब मौसम के चलते कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जबकि प्रमुख राजमार्गों को एहतियातन बंद किया गया है। शुक्रवार सुबह से श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एयरसाइड पेवमेंट पर बर्फ जमा होने के कारण हवाई परिचालन बाधित हो गया। हालात को सामान्य बनाने के लिए बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन की टीमें रनवे और ऑपरेशनल एरिया से लगातार बर्फ हटाने में जुटी हुई हैं। इसके बावजूद खराब मौसम के कारण अब तक कुल आठ उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं और कई अन्य उड़ानों में देरी हुई है। प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी एयरलाइंस से उड़ान की स्थिति की पुष्टि कर लें। बर्फबारी का सबसे अधिक असर सड़क यातायात पर देखा जा रहा है। किश्तवाड़-सिंथन-अनंतनाग एनएच-244 समेत जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इसके अलावा मुगल रोड, सिंथन रोड और एसएसजी रोड भी बंद हैं, जिससे कश्मीर घाटी का सड़क संपर्क लगभग ठप हो गया है। प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। मौसम में सुधार होते ही यातायात बहाल करने का आश्वासन दिया गया है।

गूगल मैप का धोखा:

जयपुर के बिरला मंदिर में कार सीढ़ियों पर चढ़ी, मचा हड़कंप

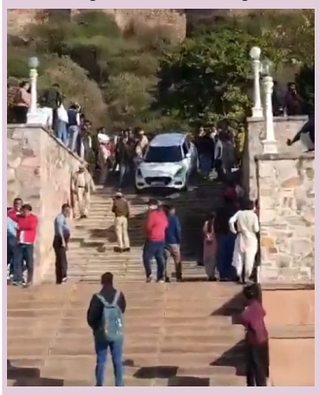

जयपुर। जयपुर के बिरला मंदिर में सोमवार को गणतंत्र दिवस के मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जब एक पर्यटक की कार मंदिर की उतरने वाली सीढ़ियों पर चढ़ गई। ड्राइवर गूगल मैप के सहारे वाहन चला रहा था और गलती से मंदिर के मुख्य एंट्री गेट की बजाय सीढ़ियों पर ही कार ले आया। घटना के समय मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ मौजूद थी, लेकिन गनीमत रही कि कोई घायल नहीं हुआ। स्थानीय लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद कार को सुरक्षित नीचे उतारा। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर की तकनीकी गलती के कारण यह हादसा हुआ और कार अधिक स्पीड में नहीं थी, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था। यह घटना फिर से गूगल मैप पर निर्भरता के जोखिमों को उजागर करती है। पहले भी कई लोग इसके भरोसे दुर्घटनाओं का शिकार हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर लोग इस घटना के बाद गूगल मैप के भरोसे वाहन चलाने से सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं। फिलहाल मंदिर परिसर में स्थिति सामान्य है और श्रद्धालु शांतिपूर्वक दर्शन कर रहे हैं। इस घटना ने साफ कर दिया कि तकनीक पर पूरी तरह भरोसा करना खतरनाक हो सकता है, खासकर जहां भीड़ और संवेदनशील स्थान जुड़े हों।

एनसीआर में बदला मौसम, तेज बारिश और आंधी की संभावना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बीते कुछ दिनों से खिली धूप के बाद मंगलवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के ताज़ा पूर्वानुमान के मुताबिक 27 जनवरी को एनसीआर के कई इलाकों में तेज बारिश के साथ गरज-चमक और आंधी की संभावना जताई गई है। दिनभर अलग-अलग समय पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं, वहीं कुछ स्थानों पर बिजली गिरने का भी खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार आज अधिकतम तापमान करीब 19 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 9 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। नमी का स्तर काफी अधिक रहने की संभावना है, जो सुबह के समय 100 प्रतिशत तक और दिन में करीब 80 प्रतिशत दर्ज किया जा सकता है। आईएमडी ने सुबह, दोपहर, शाम और रात—चारों समय गरज-चमक के साथ बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग का कहना है कि 28 जनवरी से मौसम में फिर बदलाव देखने को मिलेगा। 28, 29 और 30 जनवरी को एनसीआर में मध्यम कोहरा छाए रहने की संभावना है। बारिश और तेज हवाओं से प्रदूषण में राहत मिलने की उम्मीद है, हालांकि ठंड में इजाफा हो सकता है। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और खराब मौसम को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

'मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील' के बाद भारत-EU का संयुक्त बयान, लाखों नौकरियों और विशाल व्यापार की राह

नई दिल्ली । भारत और यूरोपीय संघ (EU) ने 16वें भारत-EU शिखर सम्मेलन के दौरान मुक्त व्यापार समझौते (FTA) समेत कई अहम रणनीतिक समझौतों पर सहमति जताई। इस मौके पर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भारत के गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि रहे।

गणतंत्र दिवस पर पहली बार यूरोपीय संघ की ऐतिहासिक मौजूदगी

एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वॉन डेर लेयेन का भारत दौरा भारत-EU संबंधों में बढ़ती नजदीकी और मजबूत साझेदारी का प्रतीक माना जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेकर भारत-EU सैन्य प्रतिनिधिमंडल का अभिवादन भी किया।

16वें भारत-EU शिखर सम्मेलन में अहम सहमति

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, एंटोनियो कोस्टा और उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने शिखर सम्मेलन में लोकतंत्र, मानवाधिकार, कानून का शासन और अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था जैसे साझा मूल्यों को मजबूत करने पर जोर दिया। साथ ही सुरक्षा चुनौतियों से निपटने, सतत विकास लक्ष्यों, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता से जुड़े प्रयासों पर भी सहमति बनी।

व्यापार, निवेश और रोजगार को नई रफ्तार

नेताओं ने भारत-EU मुक्त व्यापार समझौते की सफलता का स्वागत किया। यह समझौता व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगा और दोनों पक्षों के लिए समृद्धि के नए अवसर पैदा करेगा। निजी निवेश को

प्रोत्साहित करने और उद्योग जगत में नए सहयोग की अपील की गई। इस समझौते से लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर बनने और करीब 2 अरब लोगों के बीच व्यापार बढ़ने की संभावना जताई गई है।

सुरक्षा, रक्षा और अत्याधुनिक तकनीक में साझेदारी

भारत और EU के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति बनी, जिसमें साइबर सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबला, अंतरिक्ष सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा शामिल हैं। तकनीकी सहयोग के तहत EU-India Trade and Technology Council को मजबूत करने और AI, क्वांटम कंप्यूटिंग, 6G तथा डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर में साझेदारी बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक मुद्दों पर साझा दृष्टिकोण

नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन (WTO) में सुधार, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को शांतिपूर्ण और खुला बनाए रखने तथा वैश्विक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने की बात कही। यूक्रेन और ईरान समेत अंतरराष्ट्रीय संकटों पर संवाद और कूटनीति के जरिए समाधान खोजने की जरूरत पर भी बल दिया गया।

शिक्षा, कौशल और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने की पहल

शिक्षा, कौशल विकास और लोगों की आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए भारत-EU मूवमेंट और शिक्षा संवाद शुरू करने की घोषणा की गई। उच्च शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई गई।

जलवायु, ऊर्जा और सतत विकास में संयुक्त प्रयास

जलवायु परिवर्तन और स्वच्छ ऊर्जा को लेकर सहयोग बढ़ाने के लिए EU-India ग्रीन हाइड्रोजन टास्क फोर्स और विंड बिजनेस समिट की घोषणा की गई। महासागर और मत्स्य पालन, जल सुरक्षा और जैव विविधता जैसे क्षेत्रों में भी संयुक्त पहलों पर सहमति बनी।

आगामी शिखर सम्मेलन और AI इम्पैक्ट समिट पर नजर

नेताओं ने भारत में 19-20 फरवरी 2026 को होने वाले AI Impact Summit का स्वागत किया और 17वें भारत-EU शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को ब्रसेल्स आमंत्रित किया। यह शिखर सम्मेलन भारत-EU संबंधों को नई ऊंचाई देने और मुक्त व्यापार, सुरक्षा, तकनीक, शिक्षा व जलवायु जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

शंकराचार्य विवाद पर भड़के AAP सांसद संजय सिंह, बोले– 'योगी सरकार का रवैया अपराध और पाप'

नई दिल्ली । स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज द्वारा प्रयागराज में माघ मेले के दौरान उनके साथ बदसुलूकी के आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शंकराचार्य से मुलाकात की है। मुलाकात के बाद संजय सिंह ने मीडिया से खास बातचीत करते हुए पूरे घटनाक्रम पर अपनी बात रखी। संजय सिंह ने कहा कि आज की बैठक में शंकराचार्य का मुद्दा उठाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर राज्य सरकार का कोई प्रतिनिधि उनसे बातचीत नहीं करना चाहता है, तो केंद्र सरकार का कोई प्रतिनिधि उनसे बात करे। उन्होंने यह भी कहा कि शंकराचार्य का धरने पर बैठना ठीक नहीं है और इस मामले में हस्तक्षेप होना चाहिए। संजय सिंह के मुताबिक इस मुद्दे पर सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया है, सिर्फ उनकी बात सुनी गई है।

शंकराचार्य को रोके जाने पर क्या बोले संजय सिंह?

संजय सिंह ने कहा कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज को संगम नोज पर स्नान करने से रोकना योगी सरकार द्वारा किया गया अपराध है। इसके बाद उनसे शंकराचार्य होने का सबूत मांगा जाना भी अपराध है। उन्होंने इसे बेहद शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। आप सांसद ने आरोप लगाया कि शंकराचार्य के शिष्यों को धक्का दिया गया, उनकी चोटी खींचकर पिटाई की गई और सरेआम उनका अपमान किया गया। संजय सिंह ने कहा कि यह सिर्फ गलत नहीं बल्कि पाप है। गौरतलब है कि माघ मेले के दौरान शंकराचार्य अपने शिष्यों के साथ प्रयागराज पहुंचे थे। संगम नोज पर स्नान के लिए जाते समय पुलिस ने उन्हें रोक दिया था। महाराज की ओर से आरोप लगाए गए कि उनके साथ धक्का-मुक्की हुई और शिष्यों को पीटा गया, जिसके बाद वह धरने पर बैठ गए थे।

यूजीसी को लेकर क्या कहा?

यूजीसी के मुद्दे पर संजय सिंह ने कहा कि इस विषय पर आम आदमी पार्टी के भीतर चर्चा की जाएगी और पार्टी की जो लाइन तय होगी, उसे सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग अपने-अपने तरीके से इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। संजय सिंह ने आगे कहा कि काशी कॉरिडोर के नाम पर मंदिर तोड़े गए, मणिकर्णिका घाट तोड़ा गया और वृंदावन में बाबा के साथ धक्का-मुक्की की गई। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य के साथ सामने आई तस्वीरें यह बताती हैं कि किस तरह नारेबाजी की गई और उनका अपमान किया गया।

दिल्ली में 13 जिलों के लिए लिंक अधिकारियों की नियुक्ति

-डीएम की गैरहाजिरी में भी नहीं रुकेगा प्रशासनिक काम

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने राजधानी की प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुचारु, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। सरकार ने हाल ही में गठित किए गए दिल्ली के सभी 13 जिलों के लिए लिंक अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। इस नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक जिले में दो-दो लिंक अधिकारी तैनात किए गए हैं, ताकि किसी भी परिस्थिति में प्रशासनिक कामकाज बाधित न हो। सरकार द्वारा तय की गई व्यवस्था के अनुसार, यदि किसी जिले के जिलाधिकारी (डीएम) अवकाश पर होते हैं या किसी अन्य कारण से अनुपस्थित रहते हैं, तो उस जिले की जिम्मेदारी पहले लिंक अधिकारी को सौंपी जाएगी। वहीं, यदि डीएम के साथ-साथ पहला लिंक अधिकारी भी अनुपस्थित हो, तो दूसरे लिंक अधिकारी को जिले का प्रभार दिया जाएगा। इस व्यवस्था के जरिए राजधानी के सभी 13 जिलों में प्रशासनिक निरंतरता बनाए रखने की पुख्ता व्यवस्था की गई है। खास बात यह है कि लिंक अधिकारी के रूप में दूसरे जिलों के अनुभवी जिलाधिकारियों

को नियुक्त किया गया है, ताकि प्रशासनिक अनुभव और निर्णय क्षमता का बेहतर उपयोग किया जा सके। इससे न केवल कामकाज की गति बनी रहेगी, बल्कि नीतियों और योजनाओं के क्रियान्वयन में भी एकरूपता आएगी। दिल्ली की नई बीजेपी सरकार ने सत्ता में आने के बाद से ही प्रशासनिक ढांचे को दुरुस्त करने पर विशेष जोर दिया है। राजधानी में लंबे समय से यह समस्या रही है कि राजस्व, पुलिस और अन्य विभागों की जिला सीमाएं अलग-अलग थीं, जिससे आम नागरिकों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। इस मुद्दे पर वर्षों तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया था। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सरकार गठन के महज तीन महीने के भीतर इस समस्या को प्राथमिकता से उठाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि अलग-अलग एजेंसियों की जिला सीमाओं में असमानता प्रशासन और जनता—दोनों के लिए चुनौती है। सरकार ने अपने वादे के अनुरूप जिलों का पुनर्गठन करते हुए दिल्ली को 13 नए जिलों में विभाजित किया। जिलों की संख्या में बदलाव के चलते मार्च 2024 में जारी अधिसूचना में भी संशोधन किया गया है। इसके तहत पुरानी लिंक अधिकारी व्यवस्था को समाप्त कर नई व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें हर जिले के लिए दो लिंक अधिकारियों की नियुक्ति अनिवार्य की गई है। सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, नई सरकार ने जिलाधिकारियों को पहले की तुलना में अधिक अधिकार और जिम्मेदारियां सौंपी हैं। सरकार का मानना है कि मजबूत जिला प्रशासन ही सुशासन की नींव होता है। लिंक अधिकारियों की यह नई व्यवस्था दिल्ली के नागरिकों को तेज, सरल और प्रभावी प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

यूजीसी बिल से मचे बवाल पर तेज प्रताप यादव की प्रतिक्रिया, कहा- 'एक बेहद ही...'

पटना। यूजीसी बिल 2026 को लेकर देशभर में बवाल मचा हुआ है। अलग-अलग राज्यों में विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं और विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इसी बीच जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने भी इस मुद्दे पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मंगलवार (27 जनवरी, 2026) को उन्होंने अपने एक्स हैंडल के जरिए बयान जारी किया। उन्होंने अपने पोस्ट में इस कानून को लेकर अपनी बात प्वाइंट में रखी है। तेज प्रताप यादव ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (UGC) द्वारा लाया गया 'Promotion of Equity in Higher Education Institutions Regulations, 2026' कानून गरीब, दलित, पिछड़ा और अतिपिछड़ा समाज के छात्रों के

हित में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है। ये नियम यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में जातिगत भेदभाव को रोकने के साथ-साथ नियमों के अनुसार हर यूनिवर्सिटी और कॉलेज में एक इक्विटी कमेटी बनाने का लक्ष्य तय करता है, जो एक बेहद ही सराहनीय कदम है।" तेज प्रताप यादव ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, "इस कानून के मुताबिक यह कमेटी एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों की शिकायतें सुनेगी और तय समय के भीतर उनका निपटारा करेगी। यह कानून विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ रहे छात्रों को समानता प्रदान करेगा और संविधान में वर्णित समानता और अधिकार को और अधिक मजबूती देगा।"

तेज प्रताप यादव ने कही समर्थन की बात

यूजीसी बिल को लेकर तेज प्रताप यादव ने खुलकर स्वागत और समर्थन की बात कही है। उन्होंने कहा, "हम और हमारी पार्टी जनशक्ति जनता दल, दलित, आदिवासी और पिछड़े समाज के छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए यूजीसी द्वारा लाए गए इस ऐतिहासिक कानून का स्वागत एवं समर्थन करते हैं। साथ ही यह भी कहना चाहेंगे कि जो लोग इस कानून को सनातन से जोड़कर देख रहे हैं, शायद उन अल्पज्ञानियों को यह नहीं पता है कि दलित, आदिवासी और पिछड़ा समाज भी सनातन के अंतर्गत ही आता है और ये भी हमारे ही भाई-बहन हैं।"

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के प्रयासों में जुटे ट्रंप: व्हाइट हाउस

नई दिल्ली (एजेंसी)। व्हाइट हाउस ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म कराने की कोशिशों में लगातार जुड़े हुए हैं। हालांकि, इस समय रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से उनकी कोई सीधी फोन बातचीत तय नहीं है। सोमवार को व्हाइट हाउस की नियमित प्रेस वार्ता में प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति कूटनीतिक प्रयासों पर नजर बनाए हुए हैं और बातचीत के जरिए इस युद्ध का समाधान निकालने की दिशा में काम जारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इस पूरे मामले में गंभीर रूप से शामिल हैं और उनके सलाहकार उन्हें हर नए घटनाक्रम की जानकारी देते रहते हैं। कैरोलिन लेविट ने साफ किया कि फिलहाल राष्ट्रपति ट्रंप और राष्ट्रपति पुतिन के बीच किसी फोन कॉल का कार्यक्रम तय नहीं है। उन्होंने कहा कि इस हफ्ते ऐसी किसी बातचीत की जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका

की कूटनीतिक कोशिशें लगातार जारी हैं। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में अमेरिकी अधिकारियों ने दूसरे देशों के साथ मिलकर कई स्तरों पर बातचीत की है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी दी है कि वे दोनों पक्षों को बातचीत की मेज तक लाने के लिए लगातार संपर्क बनाए रखें। प्रेस सचिव ने यह भी कहा कि अमेरिका के विशेष दूतों की हालिया बैठकें अपने आप में ऐतिहासिक रही हैं। इन बैठकों में युद्ध में शामिल दोनों पक्षों ने भाग लिया और युद्ध खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की गई। उनका कहना था कि राष्ट्रपति की टीम शांति की दिशा में कदम आगे बढ़ाने में लगी हुई है। कैरोलिन लेविट ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति की कोशिशों को छोड़ा नहीं है। उन्होंने कहा, "राष्ट्रपति शांति प्रक्रिया को नहीं छोड़ रहे हैं। कूटनीति उनकी विदेश नीति के एजेंडे की प्राथमिकता बनी हुई है।" रूस-यूक्रेन युद्ध अब अपने चौथे साल में प्रवेश कर चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप दोनों देशों के बीच युद्ध विराम या राजनीतिक समाधान निकालने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका ने कूटनीतिक और सुरक्षा से जुड़े कदमों में अहम भूमिका निभाई है। भारत सहित दुनिया के कई देशों के लिए रूस-यूक्रेन संघर्ष में अमेरिका की भूमिका काफी महत्वपूर्ण बनी हुई है। इसका असर वैश्विक सुरक्षा, ऊर्जा बाजार और यूरोप में शक्ति संतुलन पर लगातार पड़ रहा है।

कल से शुरू होगा राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र

जयपुर। राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र 28 जनवरी से आरंभ होने जा रहा है। सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। पहले दिन अभिभाषण के बाद दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि दी जाएगी, जिसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। इसी दिन कार्य सलाहकार समिति की बैठक भी आयोजित होगी, जिसमें पूरे सत्र के दौरान होने वाले विधायी और वित्तीय कार्यों का विस्तृत कार्यक्रम तय किया जाएगा।

दो चरणों में चलेगा बजट सत्र, 11 फरवरी को पेश होगा बजट

इस बार विधानसभा का बजट सत्र दो चरणों में आयोजित करने की योजना बनाई गई है। पहला चरण 28 जनवरी से शुरू होकर लगभग 28 फरवरी तक चल सकता है, जिसमें करीब 20 बैठकें होने की संभावना है। राज्यपाल के अभिभाषण पर 3 से 4 दिन तक चर्चा प्रस्तावित है, जिसके बाद सरकार की ओर से जवाब दिया जाएगा। इसके पश्चात लगभग एक सप्ताह का अवकाश प्रस्तावित किया जा सकता है। अवकाश के बाद बजट और विधायी कार्यों पर चर्चा शुरू होगी। राज्य सरकार वर्ष 2026-27 का बजट 11 फरवरी को विधानसभा में पेश करेगी।

डिस्टर्ब एरिया समेत कई अहम विधेयक होंगे पेश

बजट सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक सदन में लाने की तैयारी में है। इनमें डिस्टर्ब एरिया एक्ट से जुड़ा विधेयक सबसे अहम माना जा रहा है। इसके अलावा पंचायतीराज और शहरी निकाय चुनावों से संबंधित कानूनों में संशोधन के प्रस्ताव भी पेश किए जा सकते हैं। सरकार पंचायतीराज कानून और नगरपालिका कानून में संशोधन कर चुनाव लड़ने के लिए लागू दो बच्चों की बाध्यता हटाने के लिए दो अलग-अलग विधेयक ला सकती है। इन विधेयकों का प्रारूप तैयार किया जा चुका है। साथ ही आधा दर्जन से अधिक अन्य विधेयकों के भी सत्र के दौरान पेश होने की संभावना है।

सियासी सरगर्मियां तेज, सदन में टकराव के आसार

बजट सत्र को लेकर प्रदेश की राजनीति में सरगर्मियां तेज हो गई हैं। विपक्ष ने सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है, जबकि सत्ता पक्ष सदन को सुचारू रूप से चलाने के लिए फ्लोर मैनेजमेंट में जुटा हुआ है। डिस्टर्ब एरिया बिल 2026, एसआईआर में वोट चोरी के आरोप और हालिया राजनीतिक बयानों को लेकर पहले ही माहौल गरमाया हुआ है। विधायकों के सवालों से जुड़े निर्देशों पर भी विपक्ष ने नाराजगी जताई है, जिससे सत्र के दौरान तीखे टकराव की आशंका बढ़ गई है।

सर्वदलीय बैठक, शांति से सत्र चलाने की कोशिश

सत्र के हंगामेदार होने की आशंका के बीच विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आज 27 जनवरी को दोपहर 3 बजे विधानसभा परिसर में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं को आमंत्रित किया गया है। विधानसभा अध्यक्ष का उद्देश्य सदन की कार्यवाही को शांतिपूर्ण, मर्यादित और व्यवस्थित ढंग से संचालित करना है।

शेष पृष्ठ 3 पर....

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

कर्तव्य पथ पर उभरता नया भारत

26 जनवरी 2026 को भारत ने जब अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाया, तो कर्तव्य पथ पर आयोजित परेड केवल एक परंपरागत सैन्य आयोजन नहीं रही। यह समारोह बदलते भारत की उस सशक्त झलक के रूप में सामने आया, जो आत्मविश्वास से भरा, समावेशी सोच वाला और वैश्विक मंच पर अपनी निर्णायक भूमिका के प्रति सजग है। यह परेड अतीत की उपलब्धियों का स्मरण ही नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा का स्पष्ट संकेत भी थी। इस वर्ष के गणतंत्र दिवस समारोह की सबसे उल्लेखनीय विशेषता रही—पहली बार दो मुख्य अतिथियों की उपस्थिति। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की मौजूदगी भारत और यूरोप के बीच गहराते रणनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को रेखांकित करती है। यह संकेत है कि भारत अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक नीतियों, सुरक्षा और संतुलन में अहम भूमिका निभाने वाला राष्ट्र बन चुका है। 77वें गणतंत्र दिवस की परेड ने महिला नेतृत्व के क्षेत्र में भी इतिहास रचा। पहली बार सीआरपीएफ की पुरुष टुकड़ी का नेतृत्व एक महिला कमांडेंट ने किया। यह दृश्य केवल प्रतीकात्मक नहीं था, बल्कि उस सामाजिक परिवर्तन का प्रमाण था, जिसमें महिलाएं अब देश की सुरक्षा और निर्णय प्रक्रिया में नेतृत्वकारी भूमिकाओं में आगे बढ़ रही हैं। सेना और अर्धसैनिक बलों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, भारत की लोकतांत्रिक और समावेशी सोच को मजबूती प्रदान करती है। सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रदर्शन इस परेड का एक और महत्वपूर्ण पहलू रहा। सेना के युद्ध मॉडल और ऑपरेशन 'सिंदूर' के लाइव प्रदर्शन ने देश की सामरिक तैयारी को दर्शाया। ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल सिस्टम, सूर्याख रॉकेट लॉन्चर, अर्जुन मेन बैटल टैंक और अन्य स्वदेशी रक्षा प्लेटफॉर्म 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को जमीन पर उतारते नजर आए। वायुसेना के राफेल, सुखोई, मिग-29 और जगुआर जैसे 29 विमानों ने आकाश में 'सिंदूर', 'वज्रांग', 'अर्जन' और 'प्रहार' जैसे फॉर्मेशन बनाकर भारत की हवाई शक्ति और तकनीकी क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। यह दृश्य युवाओं के मन में राष्ट्रभक्ति, आत्मविश्वास और गर्व की भावना को और सुदृढ़ करता है। झांकियों के माध्यम से विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों ने भारत की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक विरासत और विकास योजनाओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना इन झांकियों में स्पष्ट रूप से झलकती रही। वहीं, एनिमल कंटिजेंट की भागीदारी ने परंपरा और आधुनिकता के संतुलन को रेखांकित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा तिरंगा फहराना, 21 तोपों की सलामी और वीरता पुरस्कारों से सम्मान—ये सभी क्षण देश की संवैधानिक मूल्यों, सैन्य शौर्य और बलिदान के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाते हैं। कुल मिलाकर, 77वें गणतंत्र दिवस की परेड यह संदेश देती है कि भारत आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सक्षम, सैन्य रूप से सशक्त और सामाजिक रूप से समावेशी राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। कर्तव्य पथ पर दिखा यह आत्मविश्वास वास्तव में नए भारत की पहचान है—एक ऐसा भारत, जो अपनी परंपराओं पर गर्व करता है और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कोयला उत्पादन में कमी लाने की जरूरत: विकास, प्रदूषण और भविष्य की चुनौती

भारत इस समय जिस सबसे बड़ी और गंभीर समस्या से जूझ रहा है, वह है वायु प्रदूषण। राजधानी दिल्ली समेत देश के अनेक बड़े शहरों में प्रदूषण का स्तर खतरनाक सीमा को पार कर चुका है। सांस लेना तक मुश्किल होता जा रहा है। इस संकट के लिए सड़कों पर बढ़ते वाहनों को अक्सर सबसे बड़ा दोषी ठहराया जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि कोयले से चलने वाले ताप विद्त संयंत्र भी वायु प्रदूषण फैलाने में उतने ही बड़े, बल्कि कहीं अधिक जिम्मेदार हैं। विडंबना यह है कि जहां एक ओर प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर चिंता जताई जा रही है, वहीं दूसरी ओर इन संयंत्रों को राहत दी जा रही है और कोयला खनन की प्रक्रिया को और सरल बनाया जा रहा है। यह दोहरी नीति आने वाले समय में देश के लिए गंभीर पर्यावरणीय संकट का कारण बन सकती है। ताप विद्त संयंत्रों से निकलने वाली सल्फर डाइऑक्साइड (SO_2), नाइट्रोजन ऑक्साइड और महीन कण (PM2.5, PM10) वायु प्रदूषण को घातक स्तर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसे नियंत्रित करने के लिए फ्लू गैस डीसल्फराइजेशन (एफजीडी) प्रणाली को अनिवार्य किया गया था। इसके तहत तय समयसीमा में सभी ताप विद्त संयंत्रों को एफजीडी लगानी थी, ताकि सल्फर डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को काफी हद तक रोका जा सके। लेकिन अब इस समयसीमा को आगे बढ़ा दिया गया है। रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की ताजा रिपोर्ट इस ढिलाई के गंभीर परिणामों की ओर इशारा करती है। रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग 78 प्रतिशत ताप विद्त संयंत्रों में अब भी एसओ$_2$ को नियंत्रित करने की कोई प्रभावी व्यवस्था मौजूद नहीं है। साफ है कि वायु प्रदूषण बढ़ाने मंभ इन संयंत्रों की भूमिका निर्णायक बनी हुई है। देश में ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। इलेक्ट्रिक उपकरणों की संख्या में वृद्धि, इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता और औद्योगिक विस्तार ने बिजली की मांग को अभूतपूर्व स्तर तक पहुंचा दिया है। सरकार और नीति-निर्माताओं के सामने चुनौती है कि इस मांग को कैसे पूरा किया जाए। दुर्भाग्य से, इसका सबसे आसान रास्ता अभी भी कोयले पर आधारित बिजली उत्पादन को माना जा रहा है। यही कारण है कि नए ताप विद्त संयंत्रों की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है और कोयला खनन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसका सीधा अर्थ है—भविष्य में कोयले का उत्पादन और खपत दोनों बढ़ेंगी, जिससे प्रदूषण और जलवायु संकट और गहराएगा। इस आशंका की पुष्टि केंद्र सरकार द्वारा 23 दिसंबर 2025 को जारी अधिसूचना से होती है। इस अधिसूचना के जरिए कोलियरी नियंत्रण नियम, 2004 में अहम संशोधन किया गया। विशेष रूप से संहिता 9 में बदलाव कर नई कोयला खदानों को खोलने की प्रक्रिया को सरल बना दिया गया। इसे विकास और ऊर्जा सुरक्षा के नाम पर सही ठहराया जा रहा है, लेकिन इसके पर्यावरणीय परिणामों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया। नए संयंत्रों और खदानों के लिए रास्ता साफ करना यह संकेत देता है कि सरकार अभी भी बड़ी मात्रा में बिजली उत्पादन के लिए जीवाश्म ईंधन पर निर्भर रहने की नीति पर चल रही है। यदि एफजीडी प्रणाली के प्रभाव की बात करें तो सरकारी क्षेत्र की कंपनी एनटीपीसी इसका एक सकारात्मक उदाहरण पेश करती है। वर्ष 2015 में अधिसूचना जारी होने के बाद एनटीपीसी ने अपने कई संयंत्रों में एफजीडी लगाने का काम किया। करीब 20,000 मेगावाट क्षमता वाले संयंत्रों में एफजीडी स्थापित करने के बाद वहां सल्फर डाइऑक्साइड उत्सर्जन में औसतन 70 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई। यह साबित करता है कि यदि इच्छाशक्ति हो तो प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है। इसके विपरीत, निजी क्षेत्र की कंपनियां—जैसे रिलायंस, टाटा पावर, अडानी और टोरेंट

पावर—ने इस दिशा में गंभीर प्रयास नहीं किए। इन कंपनियों का तर्क है कि एफजीडी लगाने में लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपये का खर्च आएगा और इससे बिजली महंगी हो जाएगी, जिसका बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। सरकार भी महंगी बिजली का राजनीतिक जोखिम उठाने से बचना चाहती है। बड़ी संख्या में मतदाताओं पर इसका असर पड़ सकता है। इसी वजह से 'सांप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे' की नीति अपनाई गई। जुलाई 2025 में नियमों में बदलाव कर यह तय किया गया कि जो ताप विद्त संयंत्र घनी आबादी या अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों से 10 किलोमीटर दूर स्थित हैं, उन्हें एफजीडी लगाने की जरूरत नहीं होगी। इस तरह दूरी के बहाने एक बड़ी पर्यावरणीय बाध्यता को हटा दिया गया। लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रदूषण किलोमीटर की सीमाओं को मानता है? हवा में घुली जहरीली गैसें सीमाएं नहीं पहचानतीं। भारत में तेजी से हो रहे शहरीकरण और औद्योगीकरण के चलते ऊर्जा, स्टील और सीमेंट उद्योगों की मांग लगातार बढ़ रही है। इसके साथ ही कोयले की जरूरत भी उसी अनुपात में बढ़ती जा रही है। वर्ष 2024-25 में बिजली उत्पादन के लिए कोयले की मांग 94 करोड़ टन तक पहुंच चुकी थी। अनुमान है कि अगले पांच वर्षों में ताप विद्त संयंत्रों में कोयले की मांग 3 से 4 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ेगी। हालांकि यह भी सच है कि नवीकरणीय ऊर्जा के बढ़ते उपयोग से कोयले से बनने वाली बिजली की हिस्सेदारी में धीरे-धीरे कमी आने की संभावना है। जहां 2025 में यह हिस्सेदारी लगभग 70 प्रतिशत थी, वहीं 2030 तक इसके 60 प्रतिशत तक सिमटने का अनुमान है। सकारात्मक पहलू यह है कि भारत में सौर ऊर्जा का विस्तार उम्मीद से कहीं तेज हुआ है। घरों की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की योजनाओं ने उपभोक्ताओं को सीधे तौर पर इस बदलाव में भागीदार बनाया है। इससे न केवल बिजली बिल में कमी आई है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। बावजूद इसके, कोयले पर निर्भरता अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। यदि इतिहास पर नजर डालें तो कोयले ने औद्योगिक क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। ब्रिटेन में 1500 ईस्वी के आसपास बड़े पैमाने पर कोयले का उत्खनन शुरू हुआ। इसके बाद जहां-जहां कारखाने लगे, वहां लकड़ी और कोयले का लंबे समय तक उपयोग होता रहा। रेलगाड़ियां कोयले से चलती थीं, खाना पकाने और ठंड से बचने के लिए लकड़ी जलाई जाती थी। लेकिन इसी के साथ धुएं का भारी उत्सर्जन और धरती के तापमान में वृद्धि की प्रक्रिया भी शुरू हो गई। पर्यावरणविदों ने जब इसके दुष्प्रभावों को गंभीरता से महसूस किया, तो 14 जून 1992 को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में पहला संयुक्त राष्ट्र पृथ्वी सम्मेलन आयोजित हुआ। इसके परिणामस्वरूप 16 फरवरी 2005 को क्योटो प्रोटोकॉल अस्तित्व में आया। इस अंतरराष्ट्रीय संधि के तहत देशों ने ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने की प्रतिबद्धता जताई। वैज्ञानिकों ने स्पष्ट रूप से कहा कि मानव निर्मित कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन, जो मुख्यतः जीवाश्म ईंधन से आता है, धरती के तापमान को बढ़ा रहा है। 192 देशों ने इस संधि पर हस्ताक्षर किए, लेकिन आज तक इसके अपेक्षित और ठोस परिणाम सामने नहीं आए। हाल के वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध और इजराइल-हमास संघर्ष जैसे सैन्य टकरावों ने इस संकट को और गहरा किया है। युद्धों में बड़े पैमाने पर ईंधन की खपत, विस्फोट और सैन्य गतिविधियां पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाती हैं। नवंबर 2021 में ग्लासगो में हुए वैश्विक जलवायु सम्मेलन में यह तय किया गया था कि विकसित देश 2030 तक और विकासशील देश 2040 तक कोयले से ऊर्जा उत्पादन बंद कर देंगे। हालांकि भारत और चीन ने कोयले पर पूरी तरह निर्भरता खत्म करने पर असहमति जताई थी। फिर भी 40 देशों ने कोयले से दूरी बनाने का वादा किया और 20 देशों ने 2022 के अंत तक अपने कोयला आधारित संयंत्र बंद करने की बात कही। वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकतर वादे कागजों तक ही सीमित रह गए। आज स्थिति यह है कि यदि मानवता को सुरक्षित भविष्य चाहिए तो जीवनशैली में बदलाव अनिवार्य है। ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में हर हाल में कटौती करनी होगी। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व-औद्योगिक काल के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखना है, तो कार्बन उत्सर्जन में कम से कम 43 प्रतिशत की कमी जरूरी है। अंतर-सरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल (आईपीसीसी) ने 1850-1900 की अवधि को पूर्व-औद्योगिक काल के रूप में चिह्नित किया है और इसी को औसत वैश्विक तापमान वृद्धि की तुलना का आधार माना जाता है। यदि उत्सर्जन की मौजूदा दर बनी रही और तापमान 1.5 डिग्री से ऊपर चला गया, तो इसके परिणाम भयावह होंगे। असमय अकाल, भीषण सूखा, विनाशकारी बाढ़ और जंगलों में आग की घटनाएं सामान्य हो जाएंगी। समुद्र का तापमान बढ़ेगा, जिससे समुद्री जीवन और तटीय क्षेत्रों पर गंभीर असर पड़ेगा। यहां तक कि अंतरिक्ष में बढ़ती गतिविधियां और परमाणु हथियारों का इस्तेमाल भी खगोलीय तापमान को प्रभावित कर रहा है। इन परिस्थितियों में कोयला उत्पादन को बढ़ाने के बजाय उसमें क्रमिक और ठोस कमी लाने की जरूरत है। नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और स्वच्छ तकनीकों को प्राथमिकता दिए बिना भारत न तो प्रदूषण से निजात पा सकता है और न ही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित कर सकता है। विकास का अर्थ केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि प्रकृति और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाना भी है। यही संतुलन भारत और दुनिया के भविष्य की असली कुंजी है।

आधार कार्ड के डेमोग्राफिक डेटा की खामियां: नाम, पहचान और अधिकार के लिए भटकते आम नागरिकों की पीड़ा

भारत में आधार कार्ड को पहचान का सबसे बड़ा और सार्वभौमिक दस्तावेज़ माना जाता है। सरकार की लगभग हर योजना, बैंकिंग व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, सब्सिडी और अब तो बच्चों की 'अपार आईडी' तक आधार से जुड़ चुकी है। लेकिन जिस आधार पर यह पूरी व्यवस्था खड़ी है, उसी आधार के डेमोग्राफिक डेटाबेस (नाम, जन्मतिथि, पता, लिंग आदि) की भरोसेमंदता पर गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं। झारखंड के लातेहार जिले की 16 साल की कंदनी कुमारी की कहानी कोई अपवाद नहीं है, बल्कि आज लाखों भारतीयों की सच्चाई है। स्कूल के रजिस्टर और सर्टिफिकेट में उसका नाम कंदनी कुमारी दर्ज है, लेकिन आधार कार्ड में वह "कुमारी कांतनी किरण" बन गई। चार बार सुधार का आवेदन, चार बार रिजेक्शन। नतीजा—उसकी पढ़ाई, बैंकिंग और पहचान, सब अधर में लटकी हुई।

विसंगतियों की जड़ में क्या है समस्या?

आधार डेटाबेस में दो तरह की सूचनाएं होती हैं— बायोमैट्रिक डेटा: उंगलियों के निशान, आंखों की पुतलियों का स्कैन डेमोग्राफिक डेटा: नाम, जन्मतिथि, पता, लिंग आदि, यूआईडीएआई (UIDAI) ने शुरुआत में आधार को मुख्यतः बायोमैट्रिक पहचान के औज़ार के रूप में पेश किया था। उद्देश्य यह था कि कोई व्यक्ति फर्जी तरीके से पहचान न बदल सके। उस समय नाम, जन्मतिथि या पते की सटीकता को उतना अहम नहीं माना गया। शुरुआती वर्षों में आधार नामांकन कैंपों में भारी भीड़ होती थी। ऑपरेटरों पर जल्दी-जल्दी डेटा दर्ज करने का दबाव रहता था। नतीजतन— नाम की वर्तनी गलत दर्ज हुई, जन्मतिथियां अनुमान से भर दी गईं, स्थानीय उच्चारण को अंग्रेज़ी या हिंदी में ठीक से नहीं लिखा गया, कई आदिवासी और ग्रामीण इलाकों में नामों के अलग-अलग रूप दर्ज हो गए, जैसे आदिवासी समाज में सरिता उरांव को सरिता देवी या सरिता ओराइन भी कहा जा सकता है। आधार में कौन-सा नाम दर्ज हुआ, यह अक्सर ऑपरेटर की समझ पर निर्भर था।

जब आधार सिर्फ पहचान नहीं, मास्टर-की बन गया

समस्या तब और गहरी हो गई जब आधार को ई-केवाईसी (e-KYC) का आधार बना दिया गया। बैंक, मोबाइल सिम, पेंशन, बीमा, छात्रवृत्ति—हर जगह आधार से डेमोग्राफिक डेटा खींचा जाने लगा। ई-केवाईसी की प्रक्रिया सरल दिखती है— आधार नंबर डालिए, बायोमैट्रिक या ओटीपी से सत्यापन कीजिए, आधार डेटाबेस से नाम और अन्य विवरण स्वतः आ जाते हैं लेकिन यहीं से गड़बड़ी शुरू होती है। अगर बैंक रिकॉर्ड में नाम "कंदनी कुमारी" है और आधार में "कुमारी कांतनी किरण", तो सिस्टम इसे असंगति मानता है। नतीजा—

केवाईसी फेल, बैंक अकाउंट फ्रीज़, लेन-देन पर रोक, गरीब, कम पढ़े-लिखे और दूर-दराज़ के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए यह स्थिति किसी सज़ा से कम नहीं।

सुधार की प्रक्रिया: कागज़ों का जंगल

सैद्धांतिक रूप से आधार में सुधार आसान बताया जाता है, लेकिन व्यवहार में यह बेहद जटिल है। नाम सुधार के लिए स्कूल सर्टिफिकेट चाहिए, जन्मतिथि सुधार के लिए अलग दस्तावेज़, पता बदलने के लिए अलग प्रक्रिया, कई बार यूआईडीएआई का सिस्टम दस्तावेज़ स्वीकार ही नहीं करता। आवेदन "डॉक्यूमेंट मिसमैच" या "वेरिफिकेशन फेल" कहकर रिजेक्ट हो जाता है। बैंक वाले कहते हैं—पहले आधार ठीक कराइए। आधार केंद्र वाले कहते हैं—पहले बैंक या स्कूल रिकॉर्ड बदलवाइए। इस चक्कर में आम आदमी महीनों, कभी-कभी सालों तक भटकता रहता है।

बच्चों और छात्रों पर बढ़ता असर

नई शिक्षा व्यवस्था में बच्चों की 'अपार आईडी' को अनिवार्य बनाया जा रहा है। लेकिन यह आईडी तब तक नहीं बनती, जब तक स्कूल रिकॉर्ड और आधार का नाम एक जैसा न हो। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और गंभीर है। स्कूल में नाम स्थानीय भाषा या उच्चारण के अनुसार लिखा गया, आधार में अंग्रेज़ी/हिंदी में कुछ और नतीजा—बच्चा न पूरी तरह स्कूल सिस्टम में शामिल हो पा रहा है, न डिजिटल पहचान पा रहा है। बैंकिंग सिस्टम पर बोझ ई-केवाईसी आधारित बैंकिंग ने लाखों खातों को "डॉर्मेंट" या "फ्रीज़" कर दिया। मजदूरी के पैसे अटक गए, पेंशन नहीं मिली, सरकारी सहायता रुकी, यह सब सिर्फ इसलिए क्योंकि नाम या जन्मतिथि में एक अक्षर का फर्क था।

जवाबदेही किसकी?

आधार डेटाबेस का निर्माता और संरक्षक यूआईडीएआई है। अगर उसका डेमोग्राफिक डेटा भरोसेमंद नहीं है, तो इसकी जिम्मेदारी भी उसी की बनती है। लेकिन समस्या यह है कि— आधार एक्ट से संसदीय निगरानी का प्रावधान हटा दिया गया, यूआईडीएआई एक तरह से स्वायत्त संस्था बन गई, नागरिकों के पास अपील का प्रभावी मंच नहीं है जब किसी का आवेदन बार-बार रिजेक्ट होता है, तो वह किसके पास जाए?

तकनीक बनाम हकीकत

आधार को अक्सर "टेक्नोलॉजी की जीत" बताया जाता है। लेकिन तकनीक तब तक कारगर नहीं होती, जब तक वह ज़मीनी हकीकत को समझे। भारत जैसे देश में— कई लोगों की जन्मतिथि दर्ज ही नहीं होती, नाम समय के साथ बदलते रहते हैं, एक ही व्यक्ति के अलग-अलग दस्तावेज़ों में अलग नाम होना आम बात है, ऐसे समाज में एक सख्त, अकठोर डिजिटल सिस्टम लोगों को सुविधा देने के बजाय उन्हें हाशिये पर धकेल देता है।

समाधान क्या हो सकता है?

डेमोग्राफिक डेटा को द्वितीयक माना जाए आधार का मूल उद्देश्य बायोमैट्रिक पहचान है। नाम और जन्मतिथि को अंतिम सत्य मानना बंद किया जाए। सुधार प्रक्रिया को सरल बनाया जाए, एक बार में सुधार, स्थानीय स्तर पर अपील की व्यवस्था, रिजेक्शन का स्पष्ट कारण

बैंक और स्कूल को लचीलापन दिया जाए

अगर बायोमैट्रिक सत्यापन सही है, तो नाम की मामूली वर्तनी पर खाता फ्रीज़ न किया जाए। यूआईडीएआई पर संसदीय निगरानी बहाल हो, ताकि नागरिकों की शिकायतें केवल तकनीकी नहीं, नीतिगत स्तर पर भी सुनी जा सकें। कंदनी कुमारी की कहानी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या पहचान का अधिकार सिर्फ काग़ज़ और डेटा तक सीमित रह गया है? आधार अगर नागरिकों की सुविधा के लिए बना था, तो आज वही उनके लिए सबसे बड़ी बाधा क्यों बनता जा रहा है? जब तक आधार के डेमोग्राफिक डेटाबेस की कमजोरियों को स्वीकार कर उन्हें सुधारने की ईमानदार कोशिश नहीं होगी, तब तक आम नागरिक—खासकर गरीब, ग्रामीण और आदिवासी समाज—अपनी ही पहचान को साबित करने के लिए भटकता रहेगा। आधार को मजबूत बनाने का मतलब यह नहीं कि सिस्टम को और सख्त किया जाए, बल्कि यह है कि उसे इंसानी ज़िंदगी की जटिलताओं के मुताबिक संवेदनशील और जवाबदेह बनाया जाए।

आत्मनिर्भर भारत और बदलती वैश्विक भूमिका का ऐतिहासिक संगम

भारत एक बार फिर इतिहास के ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहाँ उसकी परंपराएँ और भविष्य एक-दूसरे से हाथ मिलाते दिखाई दे रहे हैं। 26 जनवरी 2026 को भारत अपना 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। यह अवसर केवल एक संवैधानिक उत्सव भर नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और वैश्विक कूटनीति के त्रिवेणी संगम का सशक्त प्रतीक बनकर उभर रहा है। कर्तव्य पथ पर होने वाला यह आयोजन उस भारत की तस्वीर पेश करेगा, जिसने औपनिवेशिक विरासत से बाहर निकलकर आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और वैश्विक नेतृत्वकर्ता राष्ट्र बनने की दिशा में लंबी यात्रा तय की है। गणतंत्र दिवस 2026 इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि यह भारतीय राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने का साक्षी बनेगा। वर्ष 1876 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत केवल साहित्यिक कृति नहीं था, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा बन गया। इसने भारतीय राष्ट्रवाद को सांस्कृतिक, भावनात्मक और वैचारिक आधार दिया। जब 2026 में कर्तव्य पथ पर 'वंदे मातरम्' की गूंज सुनाई देगी, तो वह केवल एक गीत नहीं होगा, बल्कि डेढ़ सौ वर्षों के संघर्ष, बलिदान और संकल्प की सामूहिक स्मृति का स्वर होगा। 26 जनवरी का दिन हर भारतीय के लिए गर्व, आत्मसम्मान और संविधान के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। यही वह दिन है, जब भारत ने स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया था। बीते 77 वर्षों की संवैधानिक यात्रा में भारत ने अनेक चुनौतियों का सामना किया—आर्थिक असमानता, सामाजिक विविधता, सीमाई संघर्ष, आतंकवाद और वैश्विक दबाव। इसके बावजूद, भारत ने लोकतांत्रिक मूल्यों को अक्षुण्ण रखते हुए निरंतर प्रगति की है। गणतंत्र दिवस 2026 इसी लोकतांत्रिक परिपक्वता और संस्थागत मजबूती का उत्सव है। इस बार का गणतंत्र दिवस समारोह कई मायनों में अलग और विशिष्ट होने जा रहा है। सबसे बड़ा प्रतीकात्मक परिवर्तन यह है कि कर्तव्य पथ पर दर्शकों के लिए 'वीआईपी' लेबल को समाप्त कर दिया गया है। यह निर्णय भारतीय लोकतंत्र की उस मूल भावना को सशक्त करता है, जिसमें सभी नागरिक समान हैं। दर्शक दीर्घाओं को गंगा, यमुना, नर्मदा, गोदावरी जैसी भारतीय नदियों के नाम दिए गए हैं। यह कदम केवल सांस्कृतिक प्रतीक नहीं, बल्कि भारत की भौगोलिक एकता, सभ्यतागत निरंतरता और पारिस्थितिक चेतना को भी रेखांकित करता है यदि 77वें गणतंत्र दिवस के केंद्रीय विषय की बात करें, तो 'वंदे मातरम्' को मुख्य विषय और 'आत्मनिर्भर भारत' को द्वितीयक विषय के रूप में चुना गया है। यह विषय चयन अपने आप में गहरा संदेश देता है।

'वंदे मातरम्' जहाँ भारत की आत्मा, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम की स्मृति का प्रतीक है, वहीं आत्मनिर्भर भारत भविष्य की ओर देखता हुआ संकल्प है। यह स्पष्ट करता है कि भारत अपनी जड़ों से जुड़कर ही वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ना चाहता है। गणतंत्र दिवस 2026 को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में भी विशेष महत्व प्राप्त है। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा का मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना भारत की बदलती वैश्विक भूमिका को रेखांकित करता है। यह उपस्थिति केवल औपचारिक नहीं है, बल्कि एक स्पष्ट संदेश है कि भारत अब वैश्विक आर्थिक, राजनीतिक और रणनीतिक संतुलन में एक केंद्रीय स्तंभ बन चुका है। यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी यह दर्शाती है कि भारत-यूरोप संबंध अब केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहे हैं। ये संबंध साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, तकनीकी सहयोग, रक्षा साझेदारी, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्थिरता जैसे मुद्दों तक विस्तृत हो चुके हैं। गणतंत्र दिवस के मंच से यह संदेश जाएगा कि भारत किसी एक गुट के साथ खड़ा नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में संतुलन बनाने वाला एक जिम्मेदार और प्रभावशाली राष्ट्र है। यदि सैन्य परेड की बात करें, तो यह 2026 में भी समारोह का केंद्र बिंदु होगी, लेकिन इस बार यह कई ऐतिहासिक नवाचारों के साथ सामने आएगी। पहली बार भारतीय सेना की एनिमल कंटिजेंट कर्तव्य पथ पर मार्च करेगी। इसमें बख्तरबंद ऊंट, घोड़े, शिकारी पक्षी और स्वदेशी कुत्तों की नस्लें—जैसे मुधोल और राजापालयम—शामिल होंगी। यह दृश्य केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की पारंपरिक सैन्य विरासत, जैवविविधता और स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। सैन्य परेड में पहली बार बैटल एरे फॉर्मेशन का प्रदर्शन किया जाएगा, जो आधुनिक युद्ध रणनीतियों, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध और स्वदेशी रक्षा तकनीकों की क्षमताओं को दर्शाएगा। यह संदेश स्पष्ट होगा कि भारत अब केवल हथियारों का आयातक नहीं, बल्कि रक्षा उत्पादन, अनुसंधान और नवाचार का उभरता हुआ वैश्विक केंद्र बन रहा है। आत्मनिर्भर भारत की यह झलक भारत की सामरिक स्वतंत्रता को और मजबूत करती है। कर्तव्य पथ पर इस वर्ष कुल 30 झांकियाँ प्रस्तुत की जाएंगी। ये झांकियाँ भारत की सांस्कृतिक विविधता, राज्यों की विशिष्ट पहचान, तकनीकी प्रगति और सामाजिक नवाचारों को दर्शाएंगी। ये केवल परंपरा का प्रदर्शन नहीं होंगी, बल्कि यह बताएंगी कि भारत किस तरह अपनी विरासत को आधुनिक विकास के साथ जोड़ते हुए आगे बढ़ रहा है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना इन झांकियों में सजीव रूप में दिखाई देगी। गणतंत्र दिवस 2026 में जनभागीदारी को विशेष महत्व दिया गया है। देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े करीब 10 हजार नागरिकों को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। वहीं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लगभग 2,500 कलाकार अपनी प्रस्तुतियाँ देंगे। यह सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि गणतंत्र दिवस केवल सत्ता का उत्सव नहीं, बल्कि जनता का पर्व है। सरकार ने 'माय भारत पोर्टल' के माध्यम से नागरिकों को 'वंदे मातरम्' गायन, निबंध लेखन और अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर दिया है। यह डिजिटल पहल नई पीढ़ी को राष्ट्रीय प्रतीकों, संवैधानिक मूल्यों और देश की विरासत से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन रही है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि भारत का लोकतंत्र केवल प्रतिनिधित्व तक सीमित नहीं, बल्कि सहभागिता पर आधारित है। कुल मिलाकर, गणतंत्र दिवस 2026 केवल अतीत की उपलब्धियों का उत्सव नहीं है, बल्कि भविष्य की दिशा का स्पष्ट संकेत है। यह समारोह बताता है कि भारत आत्मनिर्भर, सांस्कृतिक रूप से सजग, सैन्य रूप से सशक्त और वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास से खड़ा राष्ट्र है। कर्तव्य पथ पर दिखाई देने वाला यह दृश्य वास्तव में उस नए भारत की पहचान है, जो अपनी परंपराओं पर गर्व करता है और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त उच्च एवं तकनीकी शिक्षा हो सुनिश्चित - उपमुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने मंगलवार को शासन सचिवालय में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बैठक में अधिकारियों को राज्य कि उच्च एवं तकनीकी शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। डॉ. बैरवा ने स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना 2025-26 की प्रगति की समीक्षा करते हुए इस योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र विद्यार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुँचाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने विभाग की विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित आवेदनों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आर्थिक कारणों से कोई भी विद्यार्थी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। इस दौरान इन्होंने विभिन्न विभागीय

बजट घोषणाओं की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न निर्माणकार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जाए ताकि विद्यार्थियों को शीघ्र सुविधा मिल सके। अतिरिक्त मुख्य सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा कुलदीप रांका ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के युवाओं को विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी करने में सुविधा के लिए 268 महाविद्यालयों में वाचनालय शुरू किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में महाविद्यालय भवनों का निर्माण करवाया जा रहा है। रांका ने बताया कि बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त 47 राजकीय महाविद्यालयों के भवन निर्माण एवं रिपेयर कार्यों के लिए 29.13 करोड़ रुपये से अधिक की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, भिनाय-अजमेर, रामगढ़-अलवर एवं डूंगरपुर में महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। बैठक में उपमुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने विभागीय प्रक्रियाधीन भर्तियों की अद्यतन स्थिति, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान तथा प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान , कालीबाई भील मेधावी व देवनारायण छात्रा स्कूटी योजना सहित विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

स्वनिधि योजना में ढिलाई बर्दाश्त नहीं, लंबित आवेदनों का जल्द निस्तारण करें बैंक : मुख्य सचिव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंगलवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना केंद्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके माध्यम से स्ट्रीट वेंडर्स को किफायती दरों पर पूंजीगत ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने समिति को निर्देशित किया कि सभी बैंकों द्वारा लंबित आवेदनों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। मुख्य सचिव ने योजना के अंतर्गत सभी बैंकों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ प्रत्येक जरूरतमंद तक पहुंचे, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना आवश्यक है। लक्षित वर्ग को ध्यान में रखते हुए योजना को शहरों के साथ-साथ कस्बों एवं ग्रामीण क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जाए। इसके लिए ग्रामीण उत्थान शिविरों के माध्यम से आमजन को योजना से जोड़ने के निर्देश भी दिए गए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी बैंक अपने निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को योजना से लाभान्वित हितग्राहियों की सफलता की कहानियां उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए, ताकि अन्य जरूरतमंदों को भी प्रेरित किया जा सके। मुख्य सचिव ने फील्ड विजिट एवं निरीक्षण रिपोर्ट के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। बैठक में शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन, शासन सचिव आयोजना विभाग डॉ. रवि कुमार सुरपुर, विभागीय वरिष्ठ अधिकारी तथा विभिन्न राजकीय एवं निजी बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

77वें गणतंत्र दिवस पर समर्पण संस्था की विचार गोष्ठी, संवैधानिक मूल्यों पर गहन मंथन

-संविधान की मूल भावना पर शिक्षित वर्ग को निरंतर कार्य करना चाहिए - पृथ्वीराज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हर नागरिक का अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। हम हमारी समस्याओं के लिए खुद ही ज़िम्मेदार होते है। जब संवैधानिक मूल्य कमजोर होने लगे तो उसके लिए आवाज उठायें। उक्त विचार समर्पण संस्था द्वारा 77 वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश व केन्द्रीय विश्वविद्यालय अजमेर के लोकपाल पृथ्वीराज ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि समाज के शिक्षित वर्ग को संविधान की मूल भावना पर निरन्तर कार्य करना चाहिये। इससे पूर्व समर्पण आश्रय केयर भवन प्रांगण में मुख्य अतिथि पृथ्वीराज ने अन्य अतिथि व पदाधिकारियों के साथ झंडा फहराया। तत्पश्चात विचार गोष्ठी की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ समर्पण प्रार्थना से की गई जिसे संस्था के कोषाध्यक्ष रामवतार नागरवाल ने प्रस्तुत किया। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष आर्किटेक्ट डॉ. दौलत राम माल्या ने अपने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा कि- "लोकतंत्र की मजबूती के लिए हर नागरिक का जागरूक, संवेदनशील व कर्तव्यनिष्ठ होना जरूरी है।" समारोह के मुख्य वक्ता लेखक व शिक्षाविद दीपक महान ने कहा कि- " हमें संविधान द्वारा मिली ताकत को पहचानना चाहिए। जो ग़लत दिख रहा है उसकी साहस के साथ आवाज़ उठाये। अपने मौलिक अधिकारों को जानें। यदि सरकार कहीं ग़लत कर रही है तो भी बिना डरे खुलकर विरोध करें।" उन्होंने कहा कि "अपने आस पास नफरत का माहौल न बनने दे। आपस में प्रेमपूर्ण व्यवहार करें।" कार्यक्रम में हमेशा की तरह संस्था की परिचयात्मक फ़िल्म का प्रदर्शन किया गया। रमेश कुमार, श्रीमती रेखा चावला व सी एल वर्मा द्वारा देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। विशिष्ट अतिथि राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान के निदेशक हीरेन्द्र शर्मा, सेवानिवृत्त अतिरिक्त आयुक्त राज्य कर राधाकिशन बैरवा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम अध्यक्ष सेवानिवृत्त आईआरएस व नगर निगम भरतपुर के पूर्व महापौर अभिजीत कुमार ने कहा कि "भारतीय संविधान करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधता है। यह हमें समानता व न्याय का मार्ग दिखाता है। संविधान केवल सरकार के लिए नहीं बल्कि हर नागरिक के लिए मार्गदर्शक है।" समारोह व विचार गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि डॉ. मनोज कुमार बामनिया (एसोसिएट प्रोफेसर सवाई मानसिंह चिकित्सालय, यूरोलॉजी विभाग), भंवर लाल बुनकर (सेवानिवृत्त, उप आंचलिक प्रबंधक DZM, बैंक ऑफ महाराष्ट्र व मुख्य संरक्षक, समर्पण संस्था), मदन लाल वर्मा (भवन निर्माता , प्रोपराइटर कृष्णा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी),श्रीमती के. डी. बैरवा (समाज सेविका व मुख्य संरक्षक, समर्पण संस्था), सुरेश डिकोलिया (Director, Swiss Decore Private Limited), सुरेश निकोचिया (Director, Airiffic Solutions Pvt. Ltd.), श्रीकिशन जोनवाल (भवन निर्माता, के. के. कन्स्ट्रक्शन्स व मुख्य संरक्षक, समर्पण संस्था), जगदीश प्रसाद बैरवा (जे पी कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी), श्रीमती रेखा चावला (सीनियर नर्सिंग ऑफ़िसर, राजकीय महिला चिकित्सालय, सांगानेरी गेट, जयपुर) व श्रीमती मंजू मोहिल (लेखिका एवं सलाहकार, मानसिक जागरूकता) भी उपस्थित रही। मंच संचालन एडवोकेट बी. डी. बैरवा ने किया। कार्यक्रम में संस्था सदस्यों के अलावा अनेक गणमान्य व समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने प्रमुखता से भाग लिया।

77 वें गणतंत्र दिवस पर पत्रकार जाफ़र लोहानी सम्मानित हुए

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। शाहपुरा उपखंड स्तरीय समारोह में पत्रकारिता क्षेत्र में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए पत्रकार जाफ़र लोहानी को सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ। यह सम्मान लोहानी के लिए मंज़िल नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी है— जो लोहानी को हर दिन और बेहतर सेवा करने की प्रेरणा देगा। लोहानी को यह सम्मान माननीय विधायक मनीष यादव, उपजिला कलेक्टर संजीव खेदड़, तहसीलदार नानूराम यादव एवं नगर परिषद आयुक्त शुभम गुप्ता के कर-कमलों से प्राप्त हुआ। लोहानी की कड़ी मेहनत, समर्पण और पत्रकारिता के प्रति लोहानी की प्रतिबद्धता को सलाम। लोहानी के काम ने समाज को जागरूक करने और सत्य को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लोहानी के इस सम्मान पर हमें गर्व है और हमें उम्मीद है कि पत्रकार जाफ़र लोहानी आगे भी इसी तरह समाज के लिए काम करते रहेंगे।

उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल ने मंगलवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" के अवार्ड से सम्मानित किया। सचिन मित्तल ने बताया कि पुलिस का ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास-अपराधियों में भय की भावना जनता में साकार हो इसके लिए जयपुर पुलिस लगातार प्रयासरत् है। उन्होंने बताया कि "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" पुरस्कार से पुलिसकर्मियों के मनोबल में बढोतरी के साथ-साथ पुलिसकर्मी बेहतर व सराहनीय कार्य करने के प्रेरित होंगे। दिसम्बर माह 2025 का "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित गणेश चौधरी कानि. पुलिस थाना प्रतापनगर ने चोरी की वारदात का पर्दाफाश कर दो आरोपी नवीन चौधरी उर्फ लुक्का, रवि महावर को गिरफ्तार करवाकर चोरी की गयी 8 मोटरसाईकिलें बरामद करवाने में अहम भूमिका निभायी। जिला पश्चिम के महेन्द्र कुमार कानि. कार्यालय सहायक पुलिस आयुक्त सदर ने पुलिस थाना सिन्धीकैम्प के प्रकरण में 2012 से फरार वांछित ईनामी व स्थायी वारण्टी महेश अग्रवाल वं सुनिला अग्रवाल एवं थाना बनीपार्क के प्रकरण में वाछिंत मुल्जिम चम्मन सिंह को तकनीकी व अन्य स्त्रोतों से सुचना एकत्रित कर गिरफ्तार करवाने महत्पूर्ण योगदान दिया। जिला उत्तर के महेश कुमार कानि. ने पुलिस थाना विद्याधरनगर के प्रकरण में शातिर नकबजन समीर शेख उर्फ चांद को गिरफ्तार करवाकर उसके कब्जे से नकबजनी का माल सोने-चांदी की ज्वैलरी एवं वारदात में प्रयुक्त की गयी पावर बाइक अपाची मोटरसाईकिल को बरामद करवाने में अहम भूमिका निभायी। जिला दक्षिण के हिम्मत सिंह कानि. ने पुलिस थाना, महिला दक्षिण का प्रकरण जो पिछले 28 वर्षों से धारा 173 (8) मे पेंडिग चल रहा था को अथक प्रयास कर प्रकरण का निस्तारण करवाने का सराहनीय एवं प्रशंसनीय कार्य किया है। राकेश कुमार कानि. यातायात पूर्व जयपुर ने जेडिए चौराहे पर यातायात का सुगम, सुव्यवस्थित संचालन करते हुये माह दिसम्बर में वीओसी एप के जरिये यातायात नियमों का उल्लघंन करने वाले 1259 वाहनों की नियमानुसार एमवी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी जो सहरानीय कार्य किया। सिताराम कानि. कार्यालय अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, पुलिस लाईन पुलिस आयुक्तालय जयपुर, ने कार्यालय में विचाराधीन 16 व 17 सीसीए पत्रावलियों के रिकार्ड का संधारण एवं समस्त शाखाओं के पिछले 10 सालों के पुराने रिकार्ड की छटनी कर तल्फी योग्य रिकार्ड को तल्फी कराने का कार्य कड़ी मेहनत एवं लग्न से किया है।

गणतंत्र दिवस पर पिता और पुत्र एक साथ सम्मानित हुए

-अब्दुल अज़ीज लोहानी व पत्रकार जाफ़र लोहानी सम्मानित हुए

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। गणतंत्र दिवस पर पिता और पुत्र एक साथ सम्मानित हुए। अब्दुल अज़ीज लोहानी और पत्रकार जाफर लोहानी को शाहपुरा उपखंड स्तर पर सम्मानित किया गया। जाफर लोहानी को पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान मिला, जबकि आल राजस्थान इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लॉइज फेडरेशन के मीडिया प्रभारी अब्दुल अज़ीज लोहानी को विद्त विभाग में उनके काम के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान शाहपुरा विधायक मनीष यादव, शाहपुरा उपखण्ड अधिकारी संजीव कुमार सहित ब्लॉक के अधिकारीगण आदि ने दिया है। पत्रकार कृष्ण वर्मा आदि 93 लोगों को सम्मानित किया

गया है। सम्मानित लोगों को राजनीतिक सामाजिक व धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों के द्वारा बधाइयां दी जारही है।

हवामहल विधानसभा में 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस धूमधाम से मनाया गया

- नव मतदाता जावेद अख्तर सहित कई सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 25 जनवरी 2026 को 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस हवामहल विधानसभा क्षेत्र में बड़े उत्साह एवं धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी विधानसभा क्षेत्र हवामहल (49) एवं सहायक कलेक्टर जयपुर शहर के मार्गदर्शन में किया गया। आयोजन का उद्देश्य मतदाता जागरूकता बढ़ाना तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को और सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम सुपरवाइज़र चैतन्य स्वरूप के सानिध्य में संपन्न हुआ, जिसमें बूथ लेवल अधिकारी (BLO), बीएलओ सुपरवाइज़र, नव मतदाता एवं बड़ी संख्या में स्थानीय मतदाता उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ दिलाई गई, जिसमें स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव में भागीदारी निभाने तथा किसी भी प्रकार के

प्रलोभन या दबाव से दूर रहकर मतदान करने का संकल्प दिलाया गया। समारोह के दौरान नव मतदाताओं को माला पहनाकर सम्मानित किया गया, जिनमें नव मतदाता जावेद अख्तर का नाम प्रमुख रूप से शामिल रहा। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग की निर्वाचन प्रक्रिया, वोटर हेल्पलाइन ऐप, ऑनलाइन मतदाता सेवाएं, ईवीएम-वीवीपैट की कार्यप्रणाली तथा मतदाता सुविधाओं की जानकारी दी गई। नव मतदाताओं को ई-ईपीआईसी (डिजिटल वोटर आईडी) डाउनलोड करवाने की प्रक्रिया भी समझाई गई। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य के लिए हवामहल विधानसभा के पर्यवेक्षक (सुपरवाइज़र) गुंजन भांबू एवं बीएलओ पूनम शेखावत को विधानसभा स्तर पर सम्मानित किया गया। मतदाता सूची के अद्यतन, घर-घर सत्यापन तथा नए मतदाताओं के पंजीकरण में उनके योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम का समापन अधिक से अधिक नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने के संदेश के साथ किया गया।

जिला कलक्टर ने 60 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य एवं उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। 26 जनवरी को कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित समारोह में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी विकास हल्दुनिया एवं सहायक कार्मिक अनिल सैनी को उनके उत्कृष्ट कार्यों और समर्पित सेवाओं के लिए सम्मानित किया। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में विकास हल्दुनिया एवं अनिल सैनी सहित कोषागार, राजस्व शाखा, लेखा शाखा, रसद विभाग सहित विभिन्न विभागों में कार्यरत 60 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान जिला कलक्टर डॉ. सोनी ने कहा कि अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया यह सम्मान न केवल उनके मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि अन्य कर्मचारियों को भी बेहतर दक्षता, कौशल और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कर्मचारी प्रशासन का महत्वपूर्ण स्तंभ है और समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य से ही सुशासन

की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। जिला कलक्टर ने इस अवसर पर सभी सम्मानित कार्मिकों से अपेक्षा जताई कि वे भविष्य में भी इसी उत्साह और निष्ठा से कार्य करते हुए जिले के विकास में अपना योगदान देंगे।

सेंट सोल्जर कॉलेज में NSS शिविर का समापन

-नेमी चंद कायथ को मिला 'बेस्ट प्रोग्राम ऑफिसर' अवार्ड

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । सेंट सोल्जर पी.जी. कॉलेज फॉर गर्ल्स में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन मंगलवार (27 जनवरी 2026) को हर्षोल्लास के साथ हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के चौथे तल स्थित हॉल नंबर–1 में समापन समारोह और पोष बड़ा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और कार्यों की झलक:-

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां दीं, जिनकी अतिथियों ने खूब सराहना की। स्वयंसेविकाओं ने पिछले सात दिनों में किए गए समाज सेवा और एनएसएस कार्यों की एक झलक भी प्रस्तुत की।

नेमी चंद कायथ सम्मानित:-

समारोह का मुख्य आकर्षण पुरस्कार वितरण रहा। एनएसएस में उत्कृष्ट योगदान और समर्पण के लिए कार्यक्रम अधिकारी नेमी चंद कायथ को 'बेस्ट प्रोग्राम ऑफिसर अवार्ड' से सम्मानित किया गया। कॉलेज मैनेजमेंट और अतिथियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही, उत्कृष्ट कार्य करने वाली स्वयंसेविकाओं को भी पुरस्कृत किया गया।

अतिथियों ने बढ़ाया हौसला:-

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कॉलेज चेयरमैन सरदार अजय पाल और कोषाध्यक्ष सरदार जसबीर रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला समन्वयक (NSS) गोविंद शरण और राजकीय महाविद्यालय जयपुर की प्राचार्या स्निग्धा शर्मा उपस्थित रहीं। सुबोध कॉलेज के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विशाल गौतम ने स्वयंसेवकों से विशेष संवाद किया। अंत में कॉलेज प्राचार्या डॉ. अनुपमा शर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रगान के साथ इस सात दिवसीय शिविर का समापन हुआ।

सिंगल यूज प्लास्टिक और गंदगी पर निगम का सख्त एक्शन

-दोषियों पर कड़ी कार्रवाई, 71 हजार रुपए का किया जुर्माना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर को स्वच्छ और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम जयपुर द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक एवं गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देश पर स्वास्थ्य शाखा के दस्ते द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य शाखा की टीम ने ब्रह्मपुरी स्थित खंडेलवाल ढाबा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ढाबा परिसर में गंदगी एवं स्वच्छता मानकों की अनदेखी पाए जाने पर संबंधित ढाबा संचालक के खिलाफ 21 हजार रुपए का

चालान किया गया। वहीं, नेहरू बाजार क्षेत्र में की गई जांच के दौरान एक दुकान पर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग पाया गया, जिस पर नगर निगम द्वारा 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम द्वारा शहर के प्रमुख बाजारों एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग और गंदगी फैलाने पर आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने आमजन एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें, ताकि जयपुर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सके।

पृष्ठ एक का शेष....

कल से शुरू होगा राजस्थान विधानसभा...

सीएम और नेता प्रतिपक्ष होंगे बैठक में शामिल

विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, विधायक डॉ. सुभाष गर्ग और मनोज कुमार शामिल होंगे। देवनानी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है।

शाम BJP विधायक दल की बैठक

बजट सत्र से पहले आज शाम मुख्यमंत्री आवास पर भाजपा विधायक दल की बैठक भी आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सत्र के दौरान सरकार की रणनीति, प्रमुख मुद्दों और विपक्ष के संभावित सवालों पर चर्चा होगी।

विपक्ष ने कसे तेवर

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने साफ किया है कि कांग्रेस सरकार को जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर घेरेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार बजट में बड़ी घोषणाएं करती है और बाद में उन्हें फिजिबिलिटी का हवाला देकर टाल देती है। वहीं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बजट सत्र को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि सरकार जो कहेगी, वही करेगी और विधानसभा का हर दिन जनता के लिए उपयोगी साबित होगा।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

सरस्वती शिक्षण समूह बींझबायला में 77वें गणतंत्र दिवस का उत्साहपूर्ण आयोजन

विनोद सोखल

बींझबायला (रॉयल पत्रिका) । सरस्वती शिक्षण समूह ने आज 77वें गणतंत्र दिवस को पूरे जोश और देशभक्ति के साथ मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने से हुई, जहां अतिथियों ने तिरंगे को फहराकर राष्ट्र को सलामी दी और सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण कॉलेज की एनसीसी छात्राओं द्वारा प्रस्तुत की गई अनुशासित एनसीसी परेड रही, जिसमें उन्होंने तिरंगे को सलामी देकर सभी का मन मोह लिया। इसके बाद विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें गीत, नृत्य और अन्य प्रस्तुतियां शामिल थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भागीरथ सुथार (सेवानिवृत्त व्याख्याता) ने की, जबकि मुख्य अतिथि मदन महिया (सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक) रहे। विशिष्ट अतिथि हरफूल टाक और देवेंद्र यादव भी उपस्थित थे। अध्यक्ष भागीरथ सुथार ने संबोधन में छात्राओं को संस्कारों से समृद्ध बनने और अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा दी। संस्था के निदेशक अनिल खालिया ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को पेड़-पौधों की सुरक्षा, प्लास्टिक मुक्ति और हरित ऊर्जा के प्रचार में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। साथ ही उन्होंने नैतिक कर्तव्यों की बात करते हुए ईमानदारी, अनुशासन और सामाजिक समरसता पर जोर दिया। खालिया ने युवाओं से अपील की कि वे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले मार्ग-दर्शक बनें। एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालते हुए सह प्रबंधिका लेफ्टिनेंट श्रीमती अन्नपूर्णा न्योल ने बताया कि एनसीसी अनुशासन, नेतृत्व और देशसेवा की भावना विकसित करती है। उन्होंने छात्राओं को प्रेरित किया कि यह प्रशिक्षण जीवन के हर क्षेत्र में उपयोगी सिद्ध होता है। कार्यक्रम के अंत में डायरेक्टर सी. एल. रांका ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

उपखण्ड स्तरीय भव्य समारोह के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

-विशेष व उल्लेखनीय कार्यों के लिए 51 लोगों तथा पूर्व सैनिको व वीरांगनाओं का किया गया सम्मान

लाडनूं (रॉयल पत्रिका) । 77वें गणतंत्र दिवस पर उपखंड स्तरीय समारोह का आयोजन डॉ. एस.आर. गुहराय स्टेडियम में उपखंड अधिकारी मीनू वर्मा की अध्यक्षता में किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि लाडनूं विधायक मुकेश भाकर ने झंडारोहण किया। राष्ट्रगान, सामुहिक परेड, योग एवं व्यायाम प्रदर्शन, देशभक्ति गीत एवं नृत्य प्रस्तुति व पुरस्कार वितरण के कार्यक्रम सराहनीय रहे। विधायक मुकेश भाकर, उपखंड अधिकारी मीनू वर्मा, पालिकाध्यक्ष रावत खां आदी ने अपने सम्बोधन में सबको गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी।

वीरों और वीरांगनाओं का किया सम्मान:-

इस उपखंड स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी लाडनूं क्षेत्र के पूर्व सैनिको एंव वीरांगनाओं को शाल, दुपट्टा व मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 18 वीरांगनाओं, 13 पूर्व सैनिको, 10 प्रशासनिक अधिकारियों का सम्मान किया गया।

इन सबकी रही उपस्थिति:-

इस उपखंड स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, उपखंड अधिकारी मीनू वर्मा, पुलिस उपाधीक्षक जितेन्द्र सिंह चारण, तहसीलदार अनिरुद्ध देव पांडेय, थानाधिकारी शिंभूदयाल मीणा, नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां, उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, अधिशाषी अधिकारी

हरेंद्र चौधरी, पीएमओ डॉ. भरत कसेरा, सामाजिक कार्यकर्ता मो० मुश्ताक खान कायमखानी, पार्षद सुमित्रा आर्य, पार्षद मोहम्मद मुनसब खां, जलदाय विभाग के पूर्व सहायक अभियंता नोरतनमल रेगर भारत विकास परिषद के पदाधिकारीगण, वरिष्ठ सदस्यगण, जनप्रतिनिधिगण, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारीगण, क्षेत्र के सम्माननीय नागरिकगण, तथा उपखंड स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी और सभी विधायकों के शिक्षक व विधार्थी उपस्थित रहे।

ब्लाक कांग्रेस कार्यालय में मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस, किया गया झंडारोहण:-

बस स्टैंड स्थित कांग्रेस कार्यालय में नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां के मुख्य अतिथि मैं किया गया झंडारोहण, झंडारोहण के बाद उपस्थित सभी कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सामुहिक रूप राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष जयराम बुरड़क, नगर पालिका अध्यक्ष रावत खां, नगर पालिका उपाध्यक्ष मुकेश खिंची, पार्षद विजय कुमार भोजक, कांग्रेस नेता अयुब खां मोयल, सैयद आमीन अली, असगर खां खोखर, कांग्रेस नेता मो. मुश्ताक खान कायमखानी, पूर्व शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शबीर खान लाडवाण, श्रीचंद वाल्मिकी, शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष होशियार अली खान, मुनान बिसायती, मुन्सी सब्जी परोस, लियाकत अली, विजय माली। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी में पद लेकर बैठें लोगों के बारे मैं विचार विमर्श किया गया जो 26 जनवरी और 15 अगस्त जैसे कार्यक्रम सहित पार्टी के किसी भी कार्यक्रम में शामिल नहीं होते ऐसे लोगों की एक सूची बना पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व संभागीय प्रभारी व जिला प्रभारी तक रिपोर्ट प्रेषित की जानी चाहिए तथा कांग्रेस पार्टी में युवाओं सहित नये चेहरों को अधिक से अधिक संख्या में तव्वजो देने पर जोर दिया गया। बीजेपी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ धरना प्रदर्शन व आंदोलन करने व एस आई आर के दौरान काटे गए नामों को पुनः वापस जुड़ने के लिए वार्डवाइज सुची का ध्यानपूर्वक अवलोकन करने पर जोर दिया गया है।

संगठन हित के मुद्दों पर की चर्चा आईएफडब्लूजे की बैठक में किए कई महत्वपूर्ण निर्णय

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । खण्डार 26 जनवरी, को देर शाम उपखण्ड मुख्यालय पर आईएफडब्लूजे संगठन की बैठक जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा की अध्यक्षता में हुई। इसमें संगठन हित के मुद्दों व पत्रकारों की समस्याओं के समाधान कराने के मुद्दों पर चर्चा की गई। इस दौरान संगठन जिला महासचिव राजेश गोयल ने बताया कि कार्यकारिणी व पदाधिकारियों की ओर से उखण्ड स्तरीय वार्षिक सदस्यता शुल्क रखने, प्राप्त राशि को संगठन कार्य जैसे बीमा, कन्या विवाह, पत्रकार वेलफेयर आदि कार्यों में खर्च करने पर चर्चा की। कार्यकारिणी की प्रत्येक माह बैठके आयोजित करने, लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने वाले सदस्यों को नोटिस देकर जवाब मांगने तथा संतोषपूर्ण जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पूर्व सर्व सम्मति से खण्डार उपखण्ड क्षेत्र की कार्यकारिणी के चुनाव हुए। इसमें निर्विरोध अध्यक्ष पद के लिए श्रीकांत शर्मा को मनोनीत किया गया। वहीं सलाहकार मण्डल में गिरधर गर्ग, नंन्दलाल तेहकरया, परस जैन, उपाध्यक्ष प्रथम रुपसिंह गुर्जर, द्वितीय मनमोहन शर्मा, महासचिव सतवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष मेमराज गुर्जर, सचिव प्रथम रामअवतार मेरोठा, द्वितीय महेन्द्र चौधरी, तृतीय सागर सैनी, चतुर्थ दिनेश कण्डेरा को मनोनीत किया गया। वहीं प्रवक्ता के पद पर बृजेश त्रिवेदी को जिम्मेदारी सौंपी। कार्य समिति सदस्य के रूप में रणवीर माली, छैल बिहारी मथुरिया, विशाल आदि को मनोनीत किया है। इस दौरान मुकेश कुमार जैन, रोहित गुप्ता, नरेन्द्र शर्मा आदि मौजूद थे।

वक्फ कमेटी कार्यालय पर मनाया गया गणतंत्र दिवस

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । वक्फ कमेटी बारां के प्रवक्ता शोएब अख्तर ने जानकारी देते हुए बताया कि 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला वक्फ कार्यालय पर वक्फ कमेटी चेयरमैन इरफान अंसारी ने झंडारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज से 77 साल पहले भारत का संविधान लागू किया गया था। जिसे संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने बनाया था। हमें संविधान की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध रहना चाहिए। संविधान ने हमें कई अधिकार दिए हैं। झंडारोहण के पश्चात बच्चों को मिठाइयां बांटी गई। इस दौरान वक्फ कमेटी के सेकेट्री रईस अहमद नेता, नायब सेकेट्री अब्दुल हक हक्का भाई, पूर्व अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, पूर्व पार्षद नियाज़ मोहम्मद, पूर्व पार्षद अहमद शरीफ, जहीर अहमद, रईस अवाम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

नवाकुर सीनियर शिशु अकादमी में गणतंत्र दिवस के मौके पर विदाई समारोह का आयोजन

चूरू (रॉयल पत्रिका) । अगुना मोहल्ला वार्ड नंबर 47 स्थित नवांकुर सीनियर शिशु अकादमी विद्यालय में गणतंत्र दिवस तथा 12वीं के बच्चों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया । जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जहां छात्रों ने डांस किया वहीं पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। कार्यक्रम के अतिथिगण मजहर खान, अनवर खान, मुबारक ख़ान, बाबू खान वकील, तालीम खान, इरफान खान, पूरणमल, शरीफ खान, रईस खान हसन अली खान जिन्होंने अपना अमूल्य समय देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा विद्यालय के निदेशक रमजान खान ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार वितरित किया 12वीं के बच्चों ने भी आए हुए अतिथिगणों को पुरस्कार देकर अभिनंदन किया । कार्यक्रम में सभी अध्यापकों ने अपनी भूमिका निभाई जिनमे से लुकमान, तालिब, तारीख, अहमद, बिंदिया, उर्मिला, चंद्रकला, रेखा, चंदा, रचना, सरिता, वंदना, दीपिका, सोनिया आदि। स्कूल निदेशक रमजान खान ने सभी का आभार व्यक्त किया।

दारुल उलूम अता-ए-रसूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वाँ गणतंत्र दिवस

कोटा (रॉयल पत्रिका) । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दारुल उलूम अता-ए-रसूल रज़ा नगर में 77वाँ गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राजस्थान मदरसा बोर्ड के पूर्व चेयरमेन मौलाना फज़ले हक की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि मोहम्मद मियां (समाज सेवी) द्वारा झण्डारोहण किया गया। दारूल उलूम अता-ए-रसूल व अल नूर के विद्यार्थियों ने देश प्रेम के कार्यक्रम आयोजित किए। इस अवसर पर मौलाना फज़ले हक ने कहा कि देश भर के मदरसों में गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम आयोजित होते हैं। मदरसों में देश के प्रति मोहब्बत की शिक्षा सिखाई जाती है। मदरसों का मुल्क की आज़ादी व देश के निर्माण में हमेशा सहयोग रहा है और हमेशा रहेगा। उलेमाओ द्वारा मुल्क में अमन शांति खुशहाली की दुआ की गई। हाजी हशरुद्दीन पठान, हुसैन देशवाली, यूनुस क़ादरी व अब्दुल हमीद गोड़ विशिष्ट अतिथि रहे।

बोदल की औघाड़ पुलिया दे रही है हादसों को न्यौता

-वन मंत्री ओर क्षेत्रीय विधायक भी वाहवाही लूट कर भूल गए पुलिया को

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । शिवपुरी–ग्वालियर सवाई माधोपुर राष्ट्रीय राजमार्ग 552 को जोड़ने वाले बोदल गांव के समीप स्थित ओघाड़ पुलिया जिसका विगत दिनों बरसात के मौसम में क्षेत्रीय विधायक जितेंद्र गोठवाल ने वन मंत्री संजय शर्मा के साथ निरीक्षण कर आम जन को मीडिया के माध्यम से ये संदेश दिया कि उन्होंने पुलिया को नए सिरे से बनवाने के लिए मंत्री जी से गुहार लगाई है, और अगले ही दिन क्षेत्र में भारी बारिश हुई और औघाड़ पुलिया बह गई। पुलिया बहने (शती ग्रस्त) होने के बाद विधायक गोठवाल फिर लवाजमे के साथ मौके पर गए और छतिग्रस्त पुलिया को अस्थाई कच्चे पक्के काम करवाकर चालू करवा दिया । जो 6 माह गुजर जाने के बाद भी वैसे की वैसे है, बल्कि उस समय जो अस्थाई आवागमन चालू करने के लिए मिट्टी डाली गई थी, वो भी धीरे-धीरे हट गई और पुलिया फिर गहरे गड्ढों में परिवर्तित हो गई जो अब गंभीर हादसों को आमंत्रण दे रही है। वर्तमान में हालात यह हैं कि पुलिया पर केवल खानापूर्ति के तौर पर लीपा-पोती कर दी गई, जिसे निर्माण का नाम दे दिया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि विधायक जितेंद्र गोठवाल ने मौके पर आकर केवल वाहवाही लूटी, जबकि स्थायी और सुरक्षित समाधान आज तक नहीं किया गया। मौके पर देखा गया कि पुलिया से आवागमन तो चालू कर दिया गया है, लेकिन क्षतिग्रस्त संरचना, कमजोर मरम्मत और सुरक्षा इंतजामों की कमी के चलते यहां हर समय हादसे का खतरा बना हुआ है। पुलिया पर जहां मिट्टी कम है, गड्ढा है उसे साइड सेफ्टी के हिसाब से कुछ भी नहीं लगा रखा है। ऐसे में यदि आमने-सामने से कोई वाहन आता है विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों और रात के समय गुजरने वाले राहगीरों के लिए यह पुलिया जानलेवा साबित हो सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते पुलिया का पूर्ण निर्माण नहीं किया गया, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता। क्षेत्रवासियों ने जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग से जल्द से जल्द स्थायी निर्माण कराकर लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

कायमखानी छात्रावास पर झंडा फहराकर गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी

चूरू (रॉयल पत्रिका) । कायमखानी छात्रावास में 77वें गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के मौके पर चूरू स्थित राजस्थान कायमखानी छात्रावास, कार्यालय पर कॉम के नायाब ओर शानदार शख्सियत भंवरू खान ठेकेदार ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने विश्व पटल पर आत्मनिर्भर बनते भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का ओर पूरे भारत में भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प राष्ट्रीय गान जन गण मन के साथ लिया। इस मौके पर राजस्थान कायमखानी महासभा के जिला इकाई के अध्यक्ष मुंशी खान, रमजान खान जोईया ब्लॉक अध्यक्ष, छात्रावास कमेटी सदर जब्बार खान, आमीन खान सेवा निवृत रेल्वे स्टेशन मास्टर, इकबाल खान, कबीर खानी, सेवा निवृत हवलदार लियाकत खान, शब्बीर खान, इनायत खान जोईया, आवेश बेहलीम, यूनस खान राजपुरा, सलीम खान सेहजुशर, मुबारिक खान राणासर, ज़ाकिर खान के.के. पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा चुरू, एवं छात्रावास में रहने वाले छात्र गण उपस्थित रहे।

महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रातडिया में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

अंता (रॉयल पत्रिका) । महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय रातडिया में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्य देवीलाल पालीवाल ने 9:30 बजे ध्वजारोहण किया एवं छात्रों द्वारा परेड की सलामी ली, मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधानाचार्य पुष्प दयाल नागर ने छात्र-छात्राओं को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने पी.टी. प्रदर्शन किया एवं मनमोहक और आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम जो राष्ट्रभक्ति से और ओतप्रोत थे, प्रस्तुत किए। सभी अतिथियों, ग्राम वासियों ने कार्यक्रमों को खूब सराहा, पूर्व सरपंच देवी शंकर मालव ने विद्यार्थियों को अच्छे अंक लाकर गांव का नाम रोशन करने का संदेश दिया, प्रधानाचार्य देवीलाल पालीवाल ने गणतंत्र दिवस पर सभी विद्यार्थियों को राष्ट्रपति एवं संविधान सम्मत जीवन जीने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में श्रीमति मीनाक्षी मालव, रुस्तम अली खान व्याख्याता (अंग्रेजी) एवं श्रीमति मोनिका कुमावत वरिष्ठ अध्यापक को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कमलेश मालव, बिरधीलाल गोचर, राधेश्याम मालव, सरपंच प्रतिनिधि श्याम बिहारी मेहरा उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्रीमति मीना मेघवाल,रवि प्रकाश वर्मा, प्रेमचंद मालव, कल्पना मेहरा, नवनीत कुमावत,नीलम कुर्डिया, श्रीमति सरिता शाक्यवाल, देवेंद्र गोचर, लोकेश गौतम, प्रतिभा शर्मा, ईशाक मोहम्मद, दक्ष प्रताप सिंह, मंगला सेन, शैली वर्मा एवं किरण नागर का भरपूर सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन रुस्तम खान एवं वाजिद खान द्वारा किया गया।

एसडीपीआई बारां ने मनाया बड़े धूमधाम से 77वाँ गणतंत्र दिवस

बारां (रॉयल पत्रिका) । सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के तालाब पाड़ा स्थित जिला कार्यालय पर 26 जनवरी सोमवार सुबह 8.30 बजे सभी पार्टी कार्यकर्ता व जिम्मेदार एकत्रित हुए। 9 बजे जिला अध्यक्ष अब्दुल अजीज पूर्व पार्षद ने झंडारोहण कर 77 वें गणतंत्र दिवस पर सभी जिले वासियों को मुबारक बाद दी। साथ ही कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा करवाया। प्रोग्राम में जाकिर हुसैन प्रदेश कोषाध्यक्ष, इफ्तिखार अहमद स्टेड कमेटी मेंबर, अलीम मंसूरी जनरल सेकेट्री, मौलाना सलमान जनरल सेकेट्री, पूर्व पार्षद असलम अंसारी, सलामत अंसारी, जिला कमेटी सदस्य इरशाद अंसारी गुलशेर अहमद, कदीर मामा, इमरान पठान, जावेद खान, शाहीद हुसैन, वसीम शेख, नदीम खान, शानू पठान, समीर मिर्जा, अशफाक खान, रईस अहमद गाजी साहब सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रक्तदान कर बचाई 14 वर्षीय बच्चे की जान

हनीस शेख

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका) । मानवता की मिसाल पेश करते हुए हिंडौन शहर निवासी शफी मोहम्मद ताज ने रक्तदान कर एक जरूरतमंद बच्चे की जान बचाई। मंडरायल निवासी 14 वर्षीय रोहित कुमार जाटव को बीमारी के चलते तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ी, जिस पर शफी मोहम्मद ताज मदद के लिए आगे आए। 'सुपर रक्तदाता' के नाम से पहचाने जाने वाले शफी मोहम्मद ताज ने हिंडौन सिटी स्थित सुमन ब्लड बैंक पहुंचकर रोहित कुमार के लिए अपने जीवन का 31वां रक्तदान किया। समय पर मिले रक्त से बच्चे के इलाज में राहत मिली। रक्तदान के बाद रोहित कुमार के परिजनों ने शफी मोहम्मद ताज का आभार जताते हुए उन्हें दुआएं दीं। स्थानीय लोगों ने भी उनके इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

कांग्रेस के एससी प्रकोष्ठ के महवा नगर अध्यक्ष बने गोलू नावरिया

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एससी विभाग की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती ममता भूपेश व महवा के पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला की अनुशंसा पर खटीक समाज के युवा नेता गोलू नावरिया को एससी प्रकोष्ठ महवा का नगर अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर समाज के लोगों ने पूर्व विधायक ओमप्रकाश हुडला , ब्लॉक कांग्रेस कमेटी महवा के अध्यक्ष दिनेश पाटोली एवं विधानसभा प्रभारी देशराज पहाड़िया का आभार जताया। नावरिया को महवा नगर अध्यक्ष बनने पर महवा में खटीक समाज के लोगों ने मिठाई खिलाकर, आतिशबाजी करके ख़ुशी मनाई। गोलू नावरिया ने बताया कि इस विश्वास और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए पार्टी शीर्ष नेतृत्व व सर्वसमाज के लाडले पूर्व विधायक हुडला का हृदय से आभारी हूं और मैं संकल्प लेता हूँ कि नगर महवा के कार्यकर्ताओं एवं एससी समुदाय के लोगों को साथ लेकर संगठन को और अधिक मज़बूती, एकजुटता और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने में अपना पूर्ण योगदान दूँगा।

सेंट जेवियर स्कूल महवा के प्रतिभावान खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

महवा (रॉयल पत्रिका) । महवा उपखंड मुख्यालय के हिंडौन रोड स्थित सेंट जेवियर स्कूल के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं ने 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर अपनी उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से क्षेत्र का गौरव बढ़ाया जिला स्तरीय और राज्य स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने पर महुवा उपखंड स्तरीय मुख्य समारोह में एसडीएम सुश्री मनीषा रेशम एवं विधायक राजेंद्र मीणा, महुआ प्रेस क्लब के अध्यक्ष गोपुत्र अवधेश अवस्थी व उपखंड स्तरीय अधिकारियों द्वारा छात्र-छात्राओं को प्रशंसा पत्र और स्मृति चिन्ह पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान सेंट जेवियर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने देश भक्ति गाना गाकर सबका दर्शकों सहित अतिथियों का मन मोह लिया। राज्य स्तरीय खिलाड़ियों में बैडमिंटन, दीक्षा पारया, देवांशी मीना, लक्ष्यराज सिंह, वैदिक कुमार बंसल टेबल टेनिसलक्ष्य चौधरी, हिमांक, साक्षी मीना, हिमानी, वॉलीबॉल खिलाड़ी कृष्णा, जय गुर्जर, कुणाल, प्रियांशु गुर्जर फुटबॉल खिलाड़ी निधि, परिणीति, सक्षम चौरसिया मैरीना, प्रकृति सुलानिया, आराध्या, आस्था गुर्जर, एवं शतरंज के यशवेंद्र कुमार मीणा सहित सेंट जेवियर स्कूल के 21 छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तर पर खेल कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जोसिबवीके, विद्यालय के मैनेजर फादर जॉन एरि, प्रधानाचार्या सिस्टर बसंती, शारीरिक शिक्षक माधव सिंह चौधरी ने बताया कि महुवा क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, अगर माता-पिता साथ दें तो छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना परचम लहरा सकते हैं और महुवा का नाम रोशन कर सकते हैं।

मुस्लिम समाज द्वारा देश का 77वां गणतंत्र दिवस मुसाफ़िर खाने में झंडारोहण कर पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया

हनीस शेख

हिंडौन (रॉयल पत्रिका) । कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व उपसभापति नफीस अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि 26 जनवरी को सुबह 9 बजे मुसाफ़िर खाने में आयोजित इस समारोह में शहर पेश इमाम हाफिज शफी ने तिरंगा फहराया। कार्यक्रम के दौरान सर्व समाज के प्रमुख व्यक्तियों का सम्मान कर आपसी भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि मदरसा जामिया अरबिया सिद्दीकिया, कुतकपुर के डायरेक्टर मुफ्ती खलील अहमद क़ासमी ने अपने संबोधन में कहा कि 26 जनवरी 1950 को हमारे देश में संविधान लागू हुआ था। हमें संविधान का पालन करते हुए मिल-जुलकर देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए निरंतर योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत में विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर हरदेव मंदिर के महंत कैलाश गोस्वामी, कृष्ण मंदिर के महंत पंडित ब्रह्मदत्त, शहर पेश इमाम हाफिज शफी, स्थानीय गुरुद्वारे के ज्ञानी सरदार जोगेंद्र सिंह तथा गिरजाघर के पास्टर ओमकार को माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह में मुस्लिम समाज की उन प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित होकर समाज का नाम रोशन किया। इनमें आफरीन खान (पटवारी), फैजान खान (अग्निवीर), अली मोहम्मद (रेलवे टेक्नीशियन), शादाब बेग, जुनैद खान (राजस्थान रोडवेज) एवं अग्निशमन विभाग के कार्मिक शामिल रहे। इसके अतिरिक्त प्रोफेशनल कोर्स में सफलता प्राप्त करने वाले एडवोकेट निदा-उल-हक, डॉ. तोहिद, एडवोकेट उलूम फातिमा को भी सम्मानित किया गया। सफल मदरसा संचालन के लिए हाफिज शफी, मुफ्ती जाहिद, मुफ्ती सद्दाम एवं मुफ्ती खलील अहमद को सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अनेक गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया गया, जिनमें पूर्व चेयरमैन अमर सिंह धाकड़, रेडक्रॉस सोसायटी के डॉ. रेवती लाल कोली, जाट समाज चौबीसा

के अध्यक्ष विष्णु डागुर, निर्मल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक मनीष चौधरी, गांधी अकैडमी स्कूल के निदेशक धीरेंद्र चौधरी, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी ताराचंद जाटव, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट रघुवीर जाटव, शिक्षाविद मुकुट सिंह गुर्जर, छैल बिहारी पाठक, छगनलाल गुप्ता, शीतल प्रसाद शुक्ला, समाजसेवी अमर सिंह मावई, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी महावीर प्रसाद जैन, समाजसेवी विनोद पंडा, सर्राफा संघ अध्यक्ष नरेंद्र आर्य, युवा जाट महासभा के जिला अध्यक्ष करतार चौधरी, महेश सोनी, माली समाज के पटेल रामस्वरूप मेंबर एवं पत्रकार मनोज तिवारी प्रमुख रहे। सॉफ्टबॉल के नेशनल चैंपियन अदीब अहमद, बॉडी बिल्डिंग में मिस्टर राजस्थान अरशद कुरैशी व बॉडीबिल्डिंग में नॉर्थ जोन में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले तालिब कुरैशी को भी सम्मानित किया गया। वक़्फ़ संपत्तियों के पंजीकरण कार्य में सहयोग हेतु मौलाना मुजाहिद, मौलाना अनस एवं मास्टर उबैद को सम्मानित किया गया। हाजियों की ट्रेनिंग में सहयोग देने पर समाजसेवी मुफीद मनिहार को सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर 10 बार से अधिक रक्तदान करने वाले मुस्लिम समाज के युवाओं शफी ताज, अब्बास अली, सद्दाम शाह, अजहर काज़ी, यूसुफ पठान, अंसार चौधरी, सलीम खान, फैजान खान, आमिर कुरैशी, साकिर मनिहार, दिलशाद मनिहार एवं राशिद को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अलीज़ा मॉडर्न पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने राष्ट्रगान प्रस्तुत किया, वहीं विभिन्न मदरसों के बच्चों ने वतनपरस्ती से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित अतिथियों ने खूब सराहा। युवा पत्रकार अजीम खान चिनायटा, हनीस शेख एवं कलामुद्दीन खान को भी समाज की उभरती हुई प्रतिभा के रूप में सम्मानित किया गया। पिछले सत्र में क़ुरान कंठस्थ कर हाफिज़ बनने वाले मोहम्मद जीशान, मोहम्मद कैफ, मोहम्मद फरहान, शकील खान, इरफान खान, शमऊन खान, आकिब खान, मुदस्सिर खान तथा आलिम बनने पर मुफ्ती तजम्मुल, मौलाना मुजम्मिल एवं मौलाना आसिफ का भी सम्मान किया गया। आयोजन समिति के सदस्य हाफिज बाबुद्दीन, मुफ्ती अब्दुल हमीद, मौलाना मुजाहिद, हाफिज सईद, बब्बू शाह, एडवोकेट इमरान खान, एडवोकेट अब्दुल मुगनी खान, हाजी अब्दुल कदीर मनिहार, सद्दाम कुरैशी, आमिर कुरैशी, हाजी लाला चौधरी, जाहिद हुसैन, सोनू हाड़ौली, आसिफ तेली, बरकत चौधरी, रफीक चौधरी, अजहर काज़ी, क़यामुद्दीन सैफी, शफीक खान, लियाकत अली, फज़लू शाह, रफीक मलिक, मोहम्मद निज़ामुद्दीन, आज़ाद खलीफा एवं अरशद कुरैशी ने सभी अतिथियों का माला व साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया।

सचिव समीक्षा गौतम ने गंगापुर सिटी में उपकारागृह, मेटरनिटी होम एवं पालना गृह का किया निरीक्षण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर की सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मंगलवार को उपकारागृह गंगापुर सिटी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 57 बंदी उपस्थित पाए गए । सचिव समीक्षा गौतम द्वारा कार्यवाहक जेलर विदेश कुमार से बंदियों को प्रदान भोजन की गुणवत्ता, उनके पास अधिवक्ता की उपलब्धता, निःशुल्क विधिक सहायता के इच्छुक बंदियों की संख्या, प्रियजन लीगल एड क्लिनिक के माध्यम से की गई कार्यवाही, बंदियों की समस्याओं आदि के संबंध में जानकारी ली गई। उप कारागृह में बंदियों को प्रदान मूलभूत सुविधाएं संतोषजनक पाई गई। साथ ही सचिव समीक्षा गौतम द्वारा

राजकीय सामान्य चिकित्सालय गंगापुर सिटी में स्थित मेटरनिटी होम एवं पालना गृह का निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित पालना गृह इंचार्ज डॉ. सुमन मीणा तथा डॉ. रामकेश मीणा से विगत 2 वर्षों में पालना गृह में छोड़े गए शिशुओं की संख्या, बच्चों से संबंधित रजिस्टर का उचित संधारण एवं उनमें नियमित प्रविष्टियां, पालना गृह की साफ-सफाई, पालना गृह में बच्चों की सुरक्षा के इंतजामों, पालना गृह के प्रचार-प्रसार, मेटरनिटी होम की साफ-सफाई, महिलाओं को प्रसव पूर्व एवं प्रसव के बाद प्रदान सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। निरीक्षण के दौरान मेटरनिटी होम एवं पालना गृह में गंदगी पाई गई। इस पर सचिव समीक्षा गौतम द्वारा मेटरनिटी होम एवं पालना गृह की नियमित रूप से साफ-सफाई करवाने, पालना गृह का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के संबंध में निर्देश प्रदान किए गए ।

पूनिया कॉलोनी अंडरपास मुद्दे को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर मंगलवार को पूनिया कॉलोनी अंडरपास के मुद्दे पर चुरू जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा से एवं प्रशासनिक अधिकारियों से एक प्रतिनिधिमंडल ने मिलकर ज्ञापन दिया और समस्या के शीघ्र समाधान हेतु अनुरोध किया। प्रतिनिधि मंडल में हसन रियाज चिश्ती,मोहन आसेरी, सोहेल खान डी के, शीश राम कालेर, गौरव शर्मा, धनराज न्योल, पवन भार्गव, मोहन सेन, सद्दाम हुसैन, अरविंद भांभू, अब्दुला कुरैशी, सोयल गोरी, सुलेमान मनियार और गणमान्यजन उपस्थित रहे। और कहा कि- इस समस्या से रेलवे लाइन पार जितनी भी कालोनियां हैं ओम कॉलोनी, शिव कॉलोनी एवं यहां तक की अग्रसेन नगर भी प्रभावित होगा। इसलिए प्रशासन से आग्रह है कि शीघ्र ही समाधान किया जाए अन्यथा संघर्ष के लिए सभी कॉलोनी वासी तैयार हैं।

नगर पालिका बनने के बाद रोजगार का संकट, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना शुरू करने की उठी मांग

-मनरेगा बंद होने से श्रमिकों के सामने रोजी-रोटी का संकट

इकबाल शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका) । बनेड़ा उपखंड क्षेत्र के बनेड़ा ग्राम पंचायत को नगर पालिका घोषित किए जाने के बाद से स्थानीय श्रमिकों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। मंगलवार को केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैये और कस्बे में नई रोजगार योजना शुरू न होने के विरोध में अखिल भारतीय मजदूर ब्लॉक और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन ने उपखंड अधिकारी श्रीकांत व्यास को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपते समय अखिल भारतीय मजदूर ब्लॉक के अध्यक्ष इब्राहिम खान पठान ने कहा कि मनरेगा कोई साधारण सरकारी योजना नहीं है, बल्कि संसद द्वारा पारित एक कानून है। यह ग्रामीण गरीबों को रोजगार की गारंटी, समय पर भुगतान और पारदर्शिता का अधिकार देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के दौर में इस कानून को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है, न कि इसे कमजोर करने या समाप्त करने

की। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष मनोज जाट ने बताया कि बनेड़ा को नगर पालिका घोषित हुए करीब 8 से 9 महीने बीत चुके हैं। नियमानुसार, पंचायत का अस्तित्व समाप्त होते ही मनरेगा के तहत काम मिलना बंद हो गया, लेकिन प्रशासन ने अभी तक इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना को धरातल पर शुरू नहीं किया है। इस कारण सैकड़ों श्रमिक जो केवल मजदूरी पर निर्भर थे, उनके सामने परिवार के भरण-पोषण की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें शहर का नाम नहीं, बल्कि रोजगार की सुरक्षा चाहिए। मनरेगा बंद होने से युवाओं और बुजुर्गों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ज्ञापन में मांग की गई कि या तो कस्बे में जल्द से जल्द शहरी रोजगार योजना शुरू की जाए या श्रमिकों को वैकल्पिक रोजगार प्रदान किया जाए। इस अवसर पर अल्पसंख्यक विभाग के ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोपाल लाल बांगड़, राजेश शर्मा सहित कई अन्य कार्यकर्ता और प्रभावित श्रमिक उपस्थित थे। सभी ने एक स्वर में चेतावनी दी कि यदि जल्द ही रोजगार योजना शुरू नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर पदमपुर में कांग्रेस की किरकिरी

-कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समारोह से रखा गया दूर, प्रशासन पर उठे सवाल

विनोद सोखल

पदमपुर (रॉयल पत्रिका) । 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पदमपुर में आयोजित सरकारी समारोह उस समय विवादों में घिर गया, जब कांग्रेस पार्टी के किसी भी कार्यकर्ता को कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया। राष्ट्रीय पर्व पर इस तरह की अनदेखी से राजनीतिक हलकों में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। गणतंत्र दिवस समारोह में पदमपुर एसडीएम अजीत गोदारा सहित विभिन्न विभागों के प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी के किसी भी पदाधिकारी या कार्यकर्ता को कार्यक्रम स्थल के आसपास तक नहीं आने दिया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रशासन ने जानबूझकर उन्हें कार्यक्रम से दूर रखा, जो लोकतांत्रिक मूल्यों

के विपरीत है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर सभी राजनीतिक दलों की सहभागिता होना परंपरा रही है, लेकिन इस बार प्रशासन ने एकतरफा रवैया अपनाते हुए कांग्रेस को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि एसडीएम अजीत गोदारा के निर्देश पर उन्हें कार्यक्रम स्थल के नजदीक भी नहीं जाने दिया गया, जिससे प्रशासन की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस खेमे में रोष व्याप्त है और मामले को लेकर उच्च अधिकारियों से शिकायत करने की तैयारी की जा रही है। गणतंत्र दिवस पर हुई इस अनदेखी को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पूरे मामले पर क्या स्पष्टीकरण देता है और क्या भविष्य में राष्ट्रीय आयोजनों में सभी दलों को समान अवसर मिलेगा या नहीं।

गोलूवाला में नशेड़ियों का आतंक, दिनदहाड़े हुई चोरी

-संदिग्ध युवक ने आटा चक्की से उठाया थैला, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

विनोद सोखल

हनुमानगढ़/गोलूवाला (रॉयल पत्रिका)। नशेड़ी अब दिनदहाड़े भी बेधड़क वारदातों को अंजाम देने लगे हैं। लगातार बढ़ते नशेड़ियों के आतंक ने इलाके में भय का माहौल बना दिया है। निवादान क्षेत्र में हाल ही में एक युवक ने आटा चक्की से आटे का थैला चोरी कर लिया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिससे यह साफ हो गया कि अपराधी अब सार्वजनिक स्थानों पर भी निडर होकर चोरी कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह घटना सतर्कता की कमी का नतीजा है और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। पुलिस

ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की जानकारी तुरंत थाने में दें, ताकि बड़ी घटना होने से रोका जा सके। सुरक्षा के लिहाज से इलाके में पुलिस और नागरिकों की सतर्कता अब सबसे बड़ी जरूरत बन गई है।

गणतंत्र दिवस पर मोहम्मद अली पठान को पत्रकारिता क्षेत्र में समाज द्वारा किया गया सम्मानित

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर स्थित युसूफ नूर मोहम्मद गर्ल्स स्कूल में 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस समारोह में शहर एवं समाज के प्रतिष्ठित समाजसेवी हाजी याकूब थीम द्वारा समाज में पत्रकारिता क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने पर रॉयल पत्रिका ब्यूरो चीफ मोहम्मद अली पठान को सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि अयूब खान सीनियर लीगल ऑफ़िसर पीडीयू मेडिकल कॉलेज चूरू

एवं भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अख्तर खान, मुख्य वक्ता आवेश कुरैशी प्रिंसिपल जामिया अरबिया इंग्लिश स्कूल, समाजसेवी हाजी इलियास, समाजसेवी अयूब जर्मनीया, गुलाम हुसैन हाजी वाला, एडवोकेट आबिद बेहलिम, हाजी खुर्शीद मोहम्मद पिनारा, कांस्टेबल बेनजीर नदीम आदि काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे। प्रिंसिपल फरीदा बानो ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पटोंदा उप स्वास्थ्य केंद्र पर नहीं फहराया गया तिरंगा, गणतंत्र दिवस पर लापरवाही उजागर

हिण्डौन (रॉयल पत्रिका)। जहां पूरा देश 77वां गणतंत्र दिवस राष्ट्रभक्ति और उत्साह के साथ मना रहा था, वहीं पंचायत समिति श्री महावीर जी क्षेत्र के पटोंदा गांव स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र पर राष्ट्रीय पर्व के दिन तिरंगा नहीं फहराया गया। इस लापरवाही से ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार 26 जनवरी को उप स्वास्थ्य केंद्र भवन पर न तो ध्वजारोहण किया गया और न ही किसी प्रकार का कार्यक्रम आयोजित हुआ। हैरानी की बात यह रही कि राष्ट्रीय पर्व के दिन केंद्र पर कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं मिला। यह स्थिति सरकारी व्यवस्था और राष्ट्रीय सम्मान दोनों

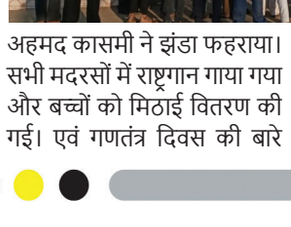

पर सवाल खड़े करती है। मामले को लेकर स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से संपर्क करने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) ने स्पष्ट किया कि जो भी सरकारी भवन संचालित अवस्था में रहता है और जहां कर्मचारी तैनात होते हैं, वहां गणतंत्र दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर ध्वजारोहण किया जाना अनिवार्य माना जाता है। सीएमएचओ के बयान के बाद यह मामला और गंभीर हो गया है। यदि उप स्वास्थ्य केंद्र संचालित था, तो वहां तिरंगा न फहराया जाना और कर्मचारियों की अनुपस्थिति साफ तौर पर लापरवाही की श्रेणी में आता है। ऐसे में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई की संभावना भी जताई जा रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में राष्ट्रीय पर्वों के सम्मान के साथ किसी भी तरह की लापरवाही दोहराई न जाए।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पिता सोनी राज्य स्तर पर सम्मानित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 16 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में चूरू उप जिला निर्वाचन अधिकारी अर्पिता सोनी को निर्वाचन कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया। समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, राज्य चुनाव आयुक्त राजेश्वर सिंह, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन सहित अतिथियों ने राज्य में निर्वाचन संबंधी गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, पर्यवेक्षक, बूथ लेवल अधिकारी सहित विभिन्न श्रेणियों के कुल 79 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए गए। गौरतलब है कि उप जिला निर्वाचन अधिकारी सोनी को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे एसआईआर— 2026 में उल्लेखनीय कार्य करने पर यह सम्मान दिया गया है।

जगदम्बा अंध विद्यालय संस्थापक स्वामी ब्रह्मदेव से मिलीं जिला कलक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक

-पद्मश्री की घोषणा पर दीं शुभकामनाएं, बुके भेंट किया

श्रीगंगानगर(रॉयल पत्रिका)। श्री जगदंबा अंध विद्यालय के संस्थापक स्वामी ब्रह्मदेव को पदमश्री मिलने की घोषणा पर मंगलवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू और पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने उनसे मुलाकात की। जिला कलक्टर और एसपी ने स्वामी ब्रह्मदेव को शुभकामनाएं और बुके भेंट कर इसे श्रीगंगानगर जिले का सम्मान बताया। इस दौरान जगदंबा अंध विद्यालय के पदाधिकारियों द्वारा जिला कलक्टर को विद्यालय की गतिविधियों और कार्यप्रणाली से अवगत करवाया गया। मुलाकात के दौरान जिला कलक्टर ने भारत सरकार द्वारा गत दिवस स्वामी

ब्रह्मदेव को पद्मश्री प्रदान करने की घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पूरे जिले का सम्मान है। जिस तरह से स्वामीजी ने लगातार विशेष योग्यजनों के कल्याण के लिए कार्य किए हैं, वह अनुकरणीय हैं। इससे असंख्य बच्चे और आमजन लाभान्वित हुए हैं। इस अवसर पर अंध विद्यालय के स्वामी नित्यानंद, प्रशिक्षु आइएएस श्रीमती अदिति यादव, श्रीमती रंजना सेठी सहित अन्य मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर मदरसों पर तिरंगा लहराया गाया राष्ट्रीय गीत गाया गया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय मदरसों पर तिरंगा फहराए गए राष्ट्रध्वज की शान में जन मन गन गाया गया मदरसा सैयदना तोकीर हसन चिश्ती में मदरसा के अध्यक्ष शिक्षाविद उस्मान गनी खां दिलावर खानी ने झंडा फहराया। मदरसा मदीना तुल उलूम में सैयद अबरार अहमद कादरी ने झंडा फहराया। मदरसा दारुल उलूम जामिया अरबिया मैं गणतंत्र दिवस पर मुफ्ती इरशाद

अहमद कासमी ने झंडा फहराया। सभी मदरसों में राष्ट्रगान गाया गया और बच्चों को मिठाई वितरण की गई। एवं गणतंत्र दिवस की बारे में विस्तार से बताया गया। बच्चों ने सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा गीत गुनगुनाया।

पाली में होगा विशाल रक्तदान शिविर

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) । सिकंदर खान भाटी एंबुलेंस ग्रुप व भाईजान ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में बांगड़ हॉस्पिटल में 28 जनवरी को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिशान अली रंगरेज ने बताया कि इस शिविर में डॉ. कैलाश परिहार बांगड़ हॉस्पिटल अधिक्षक, डॉ. आर के विश्नोई, डॉ. बाल गोपाल व डॉ. नूरैन मिर्जा मुख्य अतिथि होंगे। मुस्लिम समाज सदर मोहम्मद हकीम भाई, हाजी मेहबूब टी, अमजद अली रंगरेज सदर चोटीला दरगाह, मोहसिन खत्री व उमर चढ़वा विषेश अतिथि होंगे।

पटोंदा स्थित राजकीय पशु चिकित्सा उपकेंद्र पर गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण न होने का मामला, नियमों को लेकर उठे सवाल

हनीस शेख

हिण्डौन (रॉयल पत्रिका)। देशभर में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, वहीं पंचायत समिति श्री महावीर जी क्षेत्र के पटोंदा स्थित राजकीय पशु चिकित्सा उपकेंद्र पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण नहीं होने का मामला सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, गणतंत्र दिवस के दिन उपकेंद्र भवन पर न तो तिरंगा फहराया गया और न ही कोई कर्मचारी उपस्थित दिखाई दिया। इस संबंध में जब पशु चिकित्सा विभाग के संबंधित अधिकारी से संपर्क किया गया, तो उनका कहना था कि वे

किसी अन्य स्थान पर आयोजित सरकारी कार्यक्रम में शामिल थे और वहीं ध्वजारोहण किया गया। हालांकि, इस विषय में जब करौली जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना के पूर्व निर्देशों का हवाला दिया गया, तो प्रशासनिक स्तर पर यह स्पष्ट किया गया है कि "जिस सरकारी भवन में कर्मचारी कार्यरत होते हैं, वहां गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण किया जाना अनिवार्य माना जाता है।" ऐसे में यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि- क्या पटोंदा स्थित राजकीय पशु चिकित्सा उपकेंद्र पर ध्वजारोहण से छूट प्राप्त थी? या फिर कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण यह प्रक्रिया नहीं हो सकी? प्रशासन से अपेक्षा की जा रही है कि इस विषय में नियमों की स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी सरकारी भवन पर राष्ट्रीय पर्वों के आयोजन को लेकर कोई भ्रम या असमंजस न रहे।

विक्रांत मैसी की फिल्म में दिख सकती हैं

जेनिफर लोपेज

बॉलीवुड में अब तक जो करिश्मा सलमान खान और शाहरुख खान जैसे सुपरस्टार भी नहीं कर पाए, वह अब विक्रांत मैसी करने जा रहे हैं। उनकी अपकमिंग अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'व्हाइट' ने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक हलचल मचा दी है। इस फिल्म से जुड़ा सबसे चौंकाने वाला अपडेट यह है कि हॉलीवुड की ग्लोबल पॉप आइकन जेनिफर लोपेज इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिफर लोपेज विक्रांत मैसी की अंतरराष्ट्रीय फिल्म 'व्हाइट' के लिए एक खास 'वर्ल्ड पीस एंथम' गाने वाली हैं। यह पहली बार होगा जब किसी भारतीय अभिनेता की फिल्म में जेनिफर लोपेज जैसी वैश्विक स्टार अपनी आवाज़ देंगी। इस ऐतिहासिक प्रोजेक्ट को 'पठान' और 'फाइटर' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद और निर्माता महावीर जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं।सूत्रों के मुताबिक, यह कोई साधारण गाना नहीं होगा। जेनिफर लोपेज जिस 'वर्ल्ड पीस एंथम' पर काम कर रही हैं, उसका मकसद पूरी दुनिया में शांति, एकता और भाईचारे का संदेश फैलाना है। इस गाने की तुलना दिवंगत पॉप लीजेंड माइकल जैक्सन के ऐतिहासिक गीत 'हील द वर्ल्ड' से की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह एंथम अंग्रेज़ी और स्पेनिश भाषाओं में होगा और इसकी थीम भारतीय दर्शन 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी दुनिया एक परिवार है और विश्व शांति पर आधारित होगी। विक्रांत मैसी की फिल्म 'व्हाइट' इस तरह सिर्फ एक सिनेमाई प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक सोच को वैश्विक मंच पर पहुंचाने की एक बड़ी कोशिश बनकर उभर रही है। जेनिफर लोपेज की मौजूदगी ने इस फिल्म को पहले ही अंतरराष्ट्रीय चर्चा का विषय बना दिया है।

जय भानुशाली से तलाक के बाद चमकी माही की किस्मत!

बेटी के लिए खरीदा लाखों का गिफ्ट बोली-पहले हैसियत नहीं थी

माही विज और जय भानुशाली ने इस साल की शुरुआत में ऐलान किया कि वो अपनी राहें अलग कर रहे हैं। दोनों के तलाक की काफी समय से चर्चाएं हो रही थीं और आखिरकार कपल ने इसपर चुप्पी तोड़ते हुए इन खबरों को कंफर्म कर दिया है। जय भानुशाली से तलाक का ऐलान करते हुए माही विज ने अपने घर की पूजा की कई तस्वीरें शेयर की जिससे हिंट मिला कि एक्ट्रेस ने नया घर खरीद लिया है। अब माही विज ने अपनी छोटी सी बेटी तारा के लिए लाखों की कीमत वाली चमचमाती ब्रैंड न्यू गाड़ी खरीदी है। टीवी एक्ट्रेस माही विज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी बेटी ने एक दिन मिनी कूपर खरीदने की जिद्द की थी, लेकिन तब वो गाड़ी उनकी हैसियत के बाहर थी। लेकिन अब माही विज ने बेटी तारा की ख्वाहिश पूरी कर दी है। उन्होंने उसे 50 लाख की कीमत वाली मिनी कूपर गाड़ी दिला दी है। एक्ट्रेस ने अपने वीडियो के कैप्शन में एक इमोशनल पोस्ट भी लिखा. वो लिखती हैं, 'जब मेरी बेटी सिर्फ चार साल की थी, उसने एक मिनी कूपर देखी और बोली, 'मम्मा, एक दिन मुझे ये कार चाहिए'. उस वक्त मैं इसे खरीदने की हालत में नहीं थी और सच कहूं तो मैं ये भी नहीं जानती थी कि क्या मुझे अपनी बच्ची को इतनी महंगी चीज देनी चाहिए। मैं बार-बार सोचती रही, क्या ये वाकई जरूरी है?'

महेश बाबू

पसंद आया प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द ब्लफ' का ट्रेलर

धड़क उठा एक्ट्रेस का दिल

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'द ब्लफ' का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे महेश बाबू ने इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर किया और एक्ट्रेस को बधाई दी। दोनों अगले साल एसएस राजामौली की मूवी वाराणसी में दिखाई देंगे। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार महेश बाबू और एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगे। जिसे एसएस राजामौली डायरेक्ट कर रहे हैं। ये अगले साल 2027 में संक्रांति के मौके पर थिएटर्स में रिलीज होगी और इसमें पृथ्वीराज सुकुमारन और प्रकाश राज भी नजर आएंगे। हालांकि उसके रहले एक्ट्रेस की हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' का ट्रेलर रिलीज हुआ, जिस पर एक्टर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। महेश बाबू ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म 'द ब्लफ' के ट्रेलर की क्लिप शेयर की। इसमें एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा एक्शन अवतार में नजर आ रही हैं। एक्टर ने पोस्ट कर इसे कैप्शन दिया, 'ट्रेलर बहुत अच्छा लगा। प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर दमदार और मजबूत अंदाज में नजर आ रही हैं।' महेश बाबू ने प्रियंका को 'अटल' और 'मजबूत' बताया है। उन्होंने पोस्ट कर इसे कैप्शन देते हुए लिखा, 'फिल्म 'द ब्लफ' की पूरी टीम को 25 फरवरी के लिए ढेरों शुभकामनाएं।'

सनी देओल के प्रशंसक बॉर्डर 2 देखने के लिए ट्रैक्टर पर सवार होकर सिनेमाघर पहुंच

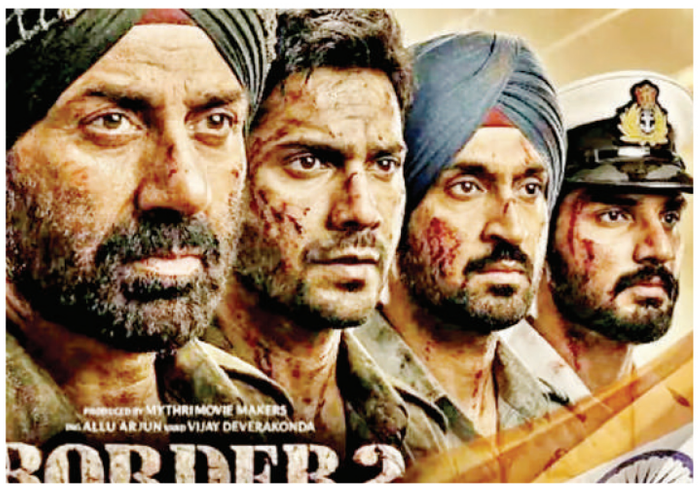

बहुप्रतीक्षित फिल्म बॉर्डर 2 का बेसब्री से इंतजार कर रहे बॉलीवुड स्टार सनी देओल के कुछ प्रशंसक अपने पसंदीदा अभिनेता को बड़े पर्दे पर देखने के ट्रैक्टरों पर सवार होकर सिनेमाघरों तक पहुंचे। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग ट्रैक्टर चलाते हुए सिनेमाघरों में पहुंच रहे हैं। कुछ प्रशंसकों के हाथों में बॉर्डर 2 के पोस्टर और झंडे भी नजर आ रहे हैं। यह फिल्म शुक्रवार को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। बॉर्डर 2 , सनी देओल की 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है, जिसका निर्देशन जे. पी. दत्ता ने किया था। पहली फिल्म भारतीय सेना की एक छोटी टुकड़ी की कहानी पर आधारित थी, जो घातक हथियारों से लैस 2000 पाकिस्तानी हमलावर सैनिकों का मुकाबला करती है। बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है और इसे टी-सीरीज तथा जे. पी. फिल्म्स ने प्रस्तुत किया है। फिल्म में वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म ने रिलीज के पहले ही दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 32.10 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है। फिल्म में मोना सिंह, सोनम बाजवा, अनन्या सिंह और मेधा राणा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

द 50 : प्रिंस नरूला के बाद अब युविका चौधरी को मिला 'लायन का टिकट'

रियलिटी शो 'द 50' जल्द ही दर्शकों के बीच दस्तक देने वाला है। यह शो इसलिए भी खास है क्योंकि इसमें 50 सेलेब्स नजर आएंगे। कुछ के नामों की घोषणा हो गई है, तो कुछ का अभी पता लगना बाकी है। शो में कई बड़े नाम कंफर्म हो चुके हैं, जिनमें करण पटेल, दिव्या अग्रवाल, प्रिंस नरुला, फैसल शेख (मिस्टर फैसू), दिव्या अग्रवाल, अर्चना गौतम, मोनालिसा और उनके पति विक्रांत सिंह राजपूत और प्रतीक सहजपाल, ऋद्धि डोगरा और उर्वशी ढोलकिया, चाहत पांडे और नीलम गिरी समेत कई कंटेस्टेंट के नाम शामिल हैं। इस लिस्ट में अब अभिनेत्री युविका चौधरी का नाम जुड़ गया है। युविका, जो अभिनेता प्रिंस नरुला की पत्नी हैं, उन्होंने खुद शुक्रवार को इंस्टाग्राम के जरिए जानकारी दी कि उन्हें भी लायन का टिकट मिल गया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें वे काफी उत्साहित नजर आ रही हैं।

शाहरुख खान की 'किंग' 24 दिसंबर को होगी रिलीज़, नए धमाकेदार विज़ुअल्स ने बढ़ाया क्रेज़

2026 के अंत पर अब आधिकारिक तौर पर किंग की मुहर लग गई है, क्योंकि फिल्म क्रिसमस पर 24 दिसंबर 2026 को रिलीज़ होगी। यह तारीख किंग को साल का धमाकेदार क्लोज़र बनाने के साथ-साथ 2027 की शानदार शुरुआत करने वाली फिल्म बना देती है। शाह रुख खान और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने यह ऐलान पठान की 3 साल की सालगिरह से ठीक पहले किया, जिससे इस ब्लॉकबस्टर जोड़ी के फिर से साथ आने को लेकर एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। रिलीज़ डेट के साथ-साथ मेकर्स ने फैन्स को किंग की दुनिया की एक झलक भी दिखाई है, जिसमें शाहरुख़ खान एक नए, बोल्ड और दमदार अवतार में नज़र आ रहे हैं। शानदार लोकेशन्स और स्टॉन्ग विज़ुअल्स के साथ पेश किए गए ये फ्रेम्स एक्साइटमेंट को और बढ़ा देते हैं। अब बस 11 महीने का इंतज़ार है, जब साल के अंत में किंग की दहाड़ सुनाई देगी। 2 नवंबर को शाहरुख़ खान के जन्मदिन पर रिलीज़ हुए जबरदस्त टाइटल रिवील ने उनके सिल्वर हेयर, एक्शन से भरपूर लुक, स्क्रू-स्पेशल थीम सॉन्ग और दमदार डायलॉग 'डर नहीं, दहशत हूं' से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया था। अब रिलीज़ डेट सामने आने के बाद फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट और भी ज़्यादा बढ़ती जा रही है। रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बन रही किंग 2026 की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली बिग-स्क्रीन फिल्म बनने की ओर बढ़ रही है।

गोविंदा के बेटे को लॉन्च करेंगे डायरेक्टर साजिद खान

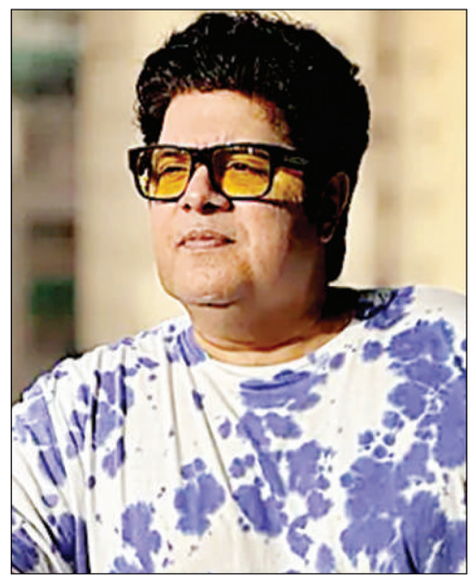

हाल ही में खबर सामने आई है कि डायरेक्टर साजिद खान अपनी नई फिल्म के जरिए गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा को लॉन्च करने जा रहे हैं. इस फिल्म की शूटिंग 23 जनवरी से शुरू हो चुकी है। बॉलीवुड में लंबे समय के ब्रेक के बाद साजिद खान एक बार फिर डायरेक्शन की दुनिया में लौट आए हैं. लेकिन इस बार वो वही पुरानी कॉमेडी फिल्मों वाला अंदाज नहीं अपना रहे बल्कि कुछ बिल्कुल अलग करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक साजिद खान अपनी नई फिल्म 'हंड्रेड' के साथ हॉरर जॉनर में कदम रख रहे हैं। ये उनके करियर का एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है क्योंकि अब तक उन्हें कॉमिक कैपर बनाने के लिए ही जाना जाता था। फिल्म 'हंड्रेड' की सबसे बड़ी चर्चा इसकी कास्ट को लेकर है। इस फिल्म के जरिए गोविंदा और सुनीता आहूजा के बेटे यशवर्धन आहूजा बॉलीवुड में बतौर लीड एक्टर डेब्यू करने जा रहे हैं। यशवर्धन के अपोजिट फिल्म में 'लापता लेडीज' से पहचान बना चुकी नितांशी गोयल नजर आएंगी। दोनों को पहली बार साथ देखना लोगों के लिए काफी दिलचस्प रहने वाला है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'हंड्रेड' की शूटिंग हाल ही में शुरू हो चुकी है। 23 जनवरी को मुंबई के फिल्म सिटी में इसका पहला शूटिंग शेड्यूल रखा गया था। मेकर्स ने खासतौर पर बसंत पंचमी के शुभ मौके को चुना ताकि फिल्म की शुरुआत अच्छे संकेतों और पॉजिटिव वाइब्स के साथ हो सके। फिल्म 'हंड्रेड' को गिल्टी बाय एसोसिएशन मीडिया प्रोड्यूस कर रही है जिसके हेड अमर बुटाला हैं. इसके साथ ही फिल्म को एकता कपूर और शोभा कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स का सपोर्ट भी मिला है. ऐसे में प्रोडक्शन क्वालिटी को लेकर उम्मीदें पहले से ही काफी ज्यादा हैं। हाल ही में सुनीता आहूजा ने एक इंटरव्यू में बताया कि यशवर्धन ने कभी अपने पिता गोविंदा से करियर में मदद नहीं मांगी। उन्होंने साफ कहा कि गोविंदा ने भी जानबूझकर बेटे के करियर में कोई सीधा दखल नहीं दिया। सुनीता ने हंसी-मजाक में ये भी बताया कि उन्होंने इस बात को लेकर गोविंदा से सवाल तक कर लिया था।

(साभार एजेंसी)

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आर्सेनल को 3-2 से हराकर खिताब की दौड़ रोमांचक बनाई

मैनचेस्टर। मैथियस कुन्हा के विजयी गोल के दम पर मैनचेस्टर यूनाइटेड ने आर्सेनल को 3-2 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में खिताब की दौड़ को रोमांचक बना दिया है। ब्राजील के इस अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने 87वें मिनट में गोलकीपर डेविड राया को छकाते हुए लंबी दूरी से शानदार शॉट लगाया, जिससे एमिरेट्स स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मैच का फैसला हो गया। इस हार के बावजूद आर्सेनल अंक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन उसके तथा मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला बीच के अब केवल चार अंक का अंतर रह गया है। आर्सेनल के 23 मैच में 50 जबकि मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला के इतने ही मैच में समान 46 अंक हैं। सिटी गोल अंतर के आधार पर विला से आगे है। एस्टन विला ने न्यूकैसल के खिलाफ 2-0 की जीत के साथ खिताब की दौड़ में अपनी अप्रत्याशित दावेदारी बरकरार रखी। विला ने 1981 के बाद से खिताब नहीं जीता है और सात साल पहले वह दूसरी श्रेणी की चैम्पियनशिप में खेल रहा था।

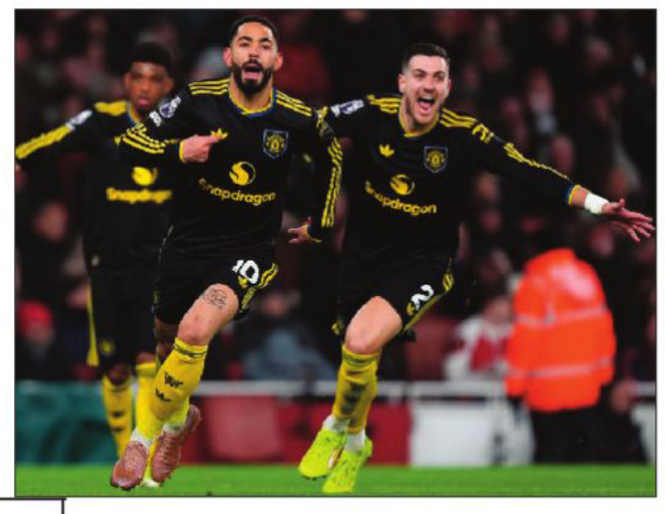

जेसिका ने कीज को 6-3, 6-4 से पराजित किया

पेगुला ने मौजूदा चैंपियन मैडिसन को ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर किया

एजेंसी ▶▶| मेलबर्न

जेसिका पेगुला ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सोमवार को यहां मौजूदा चैंपियन और अपनी पॉडकास्ट सहयोगी मैडिसन कीज को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जहां उनका मुकाबला हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा से होगा। यह 2001 के बाद पहला अवसर है जबकि अमेरिका की कम से कम चार खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं। वर्ष 2001 में सेरेना और वीनस विलियम्स, जेनिफर कैप्रियाती, मोनिका सेलेस और लिंडसे डेवनपोर्ट अंतिम आठ में पहुंची थीं। छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने रॉड लेवर एरिना में खेले गए मैच में नौवीं वरीयता प्राप्त कीज़ को 6-3, 6-4 से पराजित किया। अब तक कोई ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत पाने वाली पेगुला ने पहला सेट केवल 32 मिनट में जीता। विंबलडन और यूएस ओपन में उपविजेता रहीं अनिसिमोवा ने वांग शिन्यू को 7-6 (4), 6-4 से हराया।

अनिसिमोवा ने पेगुला के खिलाफ अपने अगले मैच के संदर्भ में कहा, "यह दुख की बात है कि अमेरिका की एक खिलाड़ी को क्वार्टरफाइनल में बाहर होना पड़ेगा। जेस बेहतरीन खिलाड़ी हैं, इसलिए मुझे यकीन है कि यह शानदार मुकाबला होगा।" अमेरिका की कोको गॉफ और 18 वर्षीय इवा जोविच पहले ही क्वार्टर फाइनल में जगह बना चुकी हैं।

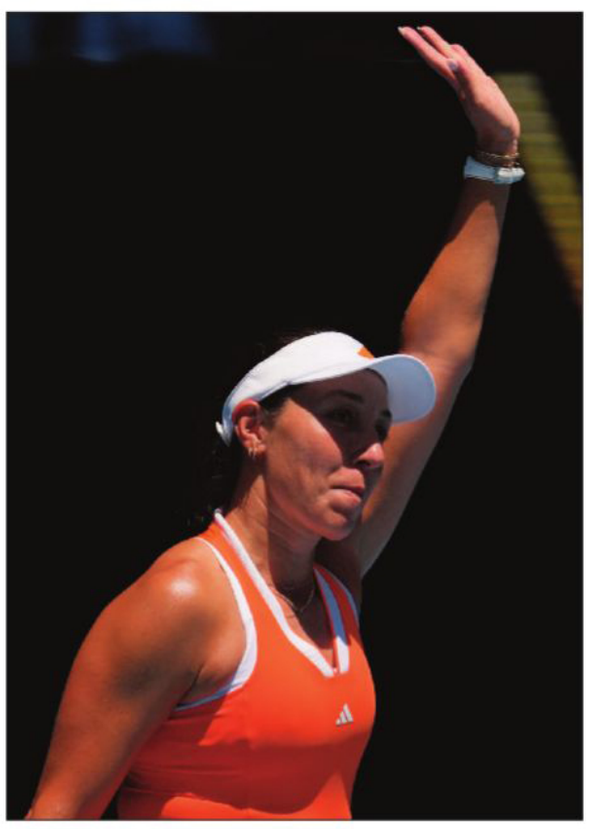

पुरुष एकल में 5वीं वरीयता प्राप्त मुसेटी ने टेलर फ्रिट्ज को 6-2, 7-5, 6-4 से हराया

पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी ने नौवें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज पर 6-2, 7-5, 6-4 से जीत हासिल करके पहली बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पेगुला ने पहले सेट में 4-1 की बढ़त बनाई और फिर दूसरे सेट की शुरुआत में भी ब्रेक प्वाइंट हासिल किया। कीज की सर्विस में आई दिक्कतों के चलते पेगुला ने फिर से 4-1 की बढ़त बना ली। मैच तब खत्म हुआ जब कीज का फोरहैंड शॉट नेट में चला गया। पेगुला ने कहा, "मैं पूरे टूर्नामेंट में बहुत अच्छा खेल रही हूं। गेंद का सही अनुमान लगा रही हूं और उसे अच्छी तरह से हिट कर रही हूं। मैं अपने इस प्रदर्शन को बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध हूं।" ऑस्ट्रेलियाई ओपन में पेगुला का यह चौथा क्वार्टर फाइनल होगा। किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2024 में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचना था, जहां उन्हें एरिना सबालेंका से हार का सामना करना पड़ा था। सोमवार को रॉड लेवर एरिना में

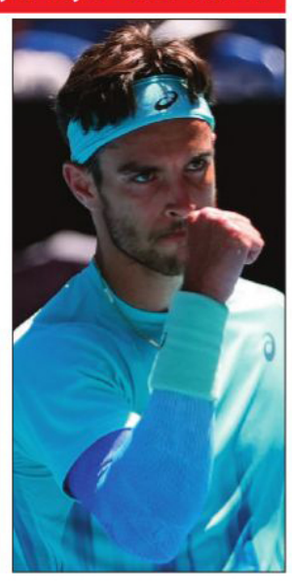

नोवाक जोकोविच का मुकाबला होना था, लेकिन उनके प्रतिद्वंदी याकूब मेनसिक के पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण चौथे दौर के मैच से हटने के बाद उन्हें वॉकओवर मिल गया और उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली।

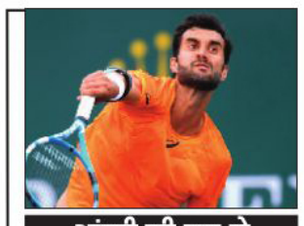

भांबरी की हार से ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

मेलबर्न (भाषा)। मेलबर्न, 26 जनवरी (भाषा) युकी भांबरी और उनके स्वीडिश साथी आंद्रे गोरानसन के सोमवार को यहां पुरुष युगल के तीसरे दौर में हारने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। भांबरी और गोरानसन को ऑरलैंडो लूज और राफेल माटोस की ब्राजील की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी से 6-7(7), 3-6 से हार का सामना करना पड़ा। यह एक करीबी मुकाबला था जो एक घंटे से थोड़ा अधिक समय तक चला। भांबरी और गोरानसन की जोड़ी ने पहले सेट में कड़ी टक्कर दी लेकिन वह टाईब्रेकर में फायदा उठाने में नाकाम रही। इसके बाद ब्राजील के खिलाड़ियों ने बिना किसी खास परेशानी के दूसरा सेट जीत लिया। भांबरी के टूर्नामेंट से बाहर होने के साथ ही साल के पहले ग्रैंड स्लैम में भारत का सफर भी समाप्त हो गया है। भांबरी पहले ही मिश्रित युगल से जबकि एन श्रीराम बालाजी पुरुष युगल से बाहर हो चुके थे। माया राजेश्वरन और अर्नव पापरकर शनिवार को जूनियर वर्ग के पहले दौर में ही बाहर हो गए थे।

ओविएडो को 3-0 से हराया

बार्सिलोना स्पेनिश लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचा

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

लामिन यामल ने एक शानदार वॉली शॉट से दर्शनीय गोल किया जिससे बार्सिलोना ने रविवार को स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा में सबसे निचले स्थान पर काबिज ओविएडो को 3-0 से हराकर फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। दूसरे हाफ में डैनी ओल्मो और राफिन्हा ने ओविएडो की रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर गोल दागे। यामल ने पेनल्टी स्पॉट के पास से बाइसाइकिल किक लगाकर 73वें मिनट में अपना गोल दागा। ओल्मो के क्रॉस पर यामल ने अपने बाएं पैर से गेंद को गोलपोस्ट के कोने में पहुंचाया। यामल का इस सत्र में ला लिगा में यह आठवां गोल था। बार्सिलोना के इस जीत से 21 मैच में 52 अंक हो गए हैं। रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 51 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर खिसक गया है। एटलेटिको मैड्रिड ने मालोर्का को 3-0 से हराया और वह लीग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस साल खेले गए छह मैचों में यह पहला अवसर था जब एटलेटिको ने एक से अधिक गोल किए। उसके 21 मैच में 44 अंक हो गए हैं।

यामल ने बाइसाइकिल किक लगाकर 73वें मिनट में अपना गोल दागा

खबर संक्षेप

टी20 वर्ल्डकप के लिए अच्छी तैयारी कर रहा है भारत

नई दिल्ली। दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला को केवल अभ्यास के तौर पर देखा जाना चाहिए क्योंकि भारत टी20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने के लिए पूरी लगन से तैयारी कर रहा है और किसी भी चीज को हल्के में नहीं ले रहा है। भारतीय टीम ने रविवार को गुवाहाटी में आठ विकेट से शानदार जीत हासिल करते हुए पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली। इसके बाद गावस्कर ने भारतीय टीम की जमकर प्रशंसा करते हुए उसकी मजबूती पर बात की।

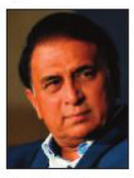

बिंद्रा 'दूरदर्शी प्रशासक' और भारतीय क्रिकेट के 'कुशल वास्तुकार' थे: बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को अपने पूर्व अध्यक्ष इंदरजीत सिंह बिंद्रा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया तथा उन्हें एक 'दूरदर्शी प्रशासक' और भारतीय क्रिकेट का सबसे 'कुशल वास्तुकार' करार दिया। बिंद्रा 1993 से 1996 तक बीसीसीआई के अध्यक्ष रहे थे। उनका रविवार को यहां निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा, "आईएस बिंद्रा दूरदर्शी प्रशासक थे, जिनके नेतृत्व ने विश्व क्रिकेट में भारत की भूमिका को फिर से परिभाषित करने में मदद की।"

दोहा डब्ल्यूटीटी प्रतियोगिता

भारतीय खिलाड़ियों ने 4 स्वर्ण सहित कुल दस पदक जीते

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खिलाड़ियों ने दोहा में आयोजित की गई 2026 डब्ल्यूटीटी स्टार यूथ कंटेंडर एवं फीडर टेबल टेनिस प्रतियोगिता में चार स्वर्ण सहित कुल 10 पदक जीते, जिसमें लड़कियों के अंडर-15 वर्ग में अहोना रे का शीर्ष स्थान हासिल करना विशेष रहा। लड़कियों के अंडर-15 वर्ग में भारत ने तीनों पदक हासिल किए। इसमें अहोना, अंकोलिका चक्रवर्ती और नैशा रेवास्कर ने शीर्ष तीन स्थानों पर कब्जा जमाया। अंकोलिका और नैशा ने लड़कियों के अंडर-15 युगल में रजत पदक हासिल किया जिससे 23 से 25 जनवरी तक खेले गए टूर्नामेंट में भारत के शानदार प्रदर्शन का पता चलता है। भारत ने चार स्वर्ण पदकों के अलावा तीन रजत और तीन कांस्य पदक भी जीते।

लड़कियों के अंडर-15 वर्ग में भारत ने तीनों पदक हासिल किए

युगल और मिश्रित स्पर्धाओं में भारत का स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला जारी

युगल और मिश्रित स्पर्धाओं में भारत का स्वर्ण पदक जीतने का सिलसिला जारी रहा। आकाश राजवेलु और रिशान चट्टोपाध्याय ने लड़कों के अंडर-15 युगल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि दिव्यांशी भौमिक और पी बी अभिनंद की जोड़ी ने अंडर-19 मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अंकोलिका और आदित्य दास ने अंडर-15 मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। एकल स्पर्धाओं में अभिनंद ने लड़कों के अंडर-19 में रजत पदक, दिव्यांशी ने लड़कियों के अंडर-19 में कांस्य पदक और आदित्य ने लड़कों के अंडर-15 में कांस्य पदक जीतकर अपने सफल अभियान का समापन किया।

आईपीएल के पिछले सत्र के बाद अपनी लेंथ पर नियंत्रण रखने पर काम किया: बिश्नोई

गुवाहाटी (भाषा। भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई का मानना है कि एक साल की कड़ी मेहनत, आत्मनिरीक्षण और अपनी गेंदबाजी की लेंथ में नियंत्रण बनाए रखने पर काम करने से उनके प्रदर्शन में सुधार हुआ और वह राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे। बिश्नोई का पिछले आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था। इसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें रिलीज कर दिया था लेकिन पिछली नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 7.20 करोड़ रुपये में खरीदा। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले बिश्नोई ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, "पिछले एक साल में मैंने अपनी लेंथ पर काम किया है क्योंकि पिछले आईपीएल सत्र में मेरा प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था। पिछले सत्र में मेरा अपनी लाइन और लेंथ पर मेरा ज्यादा नियंत्रण नहीं था।" उन्होंने कहा, "लेकिन मैंने स्टंप्स पर 5-6 मीटर की लेंथ पर गेंदबाजी करने की पूरी कोशिश की, क्योंकि उस लेंथ पर की गई गेंद पर शॉट लगाना मुश्किल होता है।" इस 25 वर्षीय लेग स्पिनर ने इससे पहले पिछले साल फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए आखिरी मैच खेला था। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए टीम में शामिल नहीं थे। उन्हें स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को चोट लगने के बाद ही टीम में जगह मिली। बिश्नोई ने तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में मिले मौके का पूरा फायदा उठाया और चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट लिए। उन्होंने कहा, "जब आप टीम से बाहर होते हैं तो काफी मुश्किल होता है। यह भारतीय टीम बहुत मजबूत है और इसमें जगह बनाना आसान नहीं है।

सोच समझकर शॉट मारता है अभिषेक उनसे सीख लेने की जरूरत : चैपमैन

गुवाहाटी (भाषा। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन का मानना है कि अभिषेक शर्मा की छक्के जड़ने की अद्भुत क्षमता महज अति आक्रामकता नहीं बल्कि खेल की गहरी समझ और शानदार रणनीति का परिणाम है तथा उनकी टीम अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप से पहले इस भारतीय सलामी बल्लेबाज से कुछ सीख लेने की कोशिश करेगी। टी20 अंतरराष्ट्रीय में विश्व के नंबर एक बल्लेबाज अभिषेक ने तीसरे मैच में 20 गेंद पर 68 रन बनाए। उन्होंने पांच छक्के लगाए और इस बीच केवल 14 गेंद पर अर्धशतक जमाया। भारत ने केवल 10 ओवरों में 154 रन का लक्ष्य हासिल करके पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। अभिषेक ने पहले मैच में 35 गेंदों में 84 रन की पारी खेली जिसमें आठ छक्के शामिल थे। चैपमैन ने मैच के बाद मीडिया से कहा, "सच कहूं तो उनकी बल्लेबाजी दमदार और विस्फोटक है। मैंने उन्हें ज्यादा खेलते हुए नहीं देखा है लेकिन छक्के मारने की उनकी क्षमता बेजोड़ है। जिस तरह से वह खेलते हैं, उससे लगता है कि वह अपनी बल्लेबाजी को लेकर काफी मंथन करते हैं।" उन्होंने कहा, "वह इस समय बहुत अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। टी20 क्रिकेट की यही खासियत है। जब कोई खिलाड़ी बहुत अच्छा खेल रहा होता है तो उसे रोकना मुश्किल हो जाता है। हमें अपने खेल की समीक्षा करनी होगी। हमें खेल के तीनों विभाग में सुधार करना होगा।" न्यूजीलैंड भले ही श्रृंखला हार गया है लेकिन चैपमैन का मानना है कि यह उनकी टीम के लिए टी20 विश्व कप की आदर्श तैयारी है। उन्होंने कहा, "हमें बड़े स्कोर बनाने पर ध्यान देना होगा।

महिला प्रीमियर लीग : दिल्ली अंक तालिका में दूसरे स्थान पर

गुजरात के खिलाफ लय बरकरार रखने उतरेगी दिल्ली

भाषा ▶▶| वडोदरा

पिछले मैच में शीर्ष पर काबिज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ जीत दर्ज करने से उत्साहित दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुजरात जायंट्स के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) मैच में अपने मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के दम पर जीत की लय बरकरार रखने की कोशिश करेगी। डब्ल्यूपीएल में तीनों फाइनल में पहुंचने लेकिन हर बार उपविजेता रहने वाली दिल्ली कैपिटल्स की टीम ने अपने पिछले मैच में स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली आरसीबी को इस सत्र की पहली हार का स्वाद चखाया था। इस सात विकेट की जीत ने न केवल उसे प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा बल्कि उसे डब्ल्यूपीएल अंक तालिका में दूसरे स्थान पर भी पहुंचा दिया। भारतीय स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की अगुवाई वाली दिल्ली का प्रदर्शन इस सत्र के शुरुआत में अच्छा नहीं रहा था लेकिन टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ उसके खेल में सुधार होता गया। उसे दक्षिण अफ्रीका की दिग्गज बल्लेबाज लौरा वोलवार्ट और लिज़ेल ली ने शीर्ष क्रम में मजबूती प्रदान की है, लेकिन सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा का उतार-चढ़ाव भरा फॉर्म बरकरार है। शेफाली ने अब तक केवल एक अर्धशतक बनाया है और जेमिमा चाहेंगी कि शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करें ताकि टूर्नामेंट के निर्णायक चरण में प्रवेश करते समय टीम का ध्यान न भटके।

दिल्ली ने पिछले मैच में आरसीबी को दी थी सीजन की पहली हार

पिछले मैच में आरसीबी की मजबूत बल्लेबाजी को केवल 100 रन पर समेट देना उसके गेंदबाजों का बेहतरीन प्रदर्शन था। युवा तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा, दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज मारिजान काप और बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी ने अब तक कुल मिलाकर अच्छा प्रदर्शन किया है। गुजरात जायंट्स के खिलाफ पिछले मैच में श्री चरणी महंगी साबित हुई थी और उन्होंने 42 रन लुटाए थे। इस मैच में गुजरात जायंट्स ने दिल्ली कैपिटल्स को चार रन से हराया था। गुजरात जायंट्स अंक तालिका में तीसरे स्थान पर हैं। उसके और दिल्ली कैपिटल्स के छह-छह अंक हैं। गुजरात जायंट्स के बल्लेबाज अभी तक अपने प्रदर्शन में निरंतरता नहीं रख पाए हैं।

पीजीटीआई की लीग से जुड़ी नई फ्रेंचाइजी

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) ने सोमवार को बताया कि 21 फरवरी से शुरू होने वाले उसके प्रमुख टूर्नामेंट '72 द लीग' में राजस्थान स्थित एक नयी फ्रेंचाइजी जुड़ गई है। इस फ्रेंचाइजी का संयुक्त स्वामित्व हल्दीराम स्नैक्स फूड प्राइवेट लिमिटेड और केएलजे ग्रुप ऑफ कंपनीज के पास है। इन कंपनियों के मालिकों ने इस संबंध में सोमवार को पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल देव के साथ औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। पीजीटीआई और गेम ऑफ लाइफ स्पोर्ट्स (जीओएलएस) संयुक्त रूप से इस लीग को शुरू कर रहे हैं। पहली लीग दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के तीन सबसे प्रतिष्ठित गोल्फ क्लब, क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब, जयपी ग्रीन्स और कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित की जाएगी। इस लीग में शहर आधारित फ्रेंचाइजी भाग लेंगी, जिनमें से प्रत्येक में 10 पेशेवर खिलाड़ी होंगे। खिलाड़ियों का चयन नीलामी प्रक्रिया से किया जाएगा।

18 हजार से ज्यादा फ्लाइट कैंसिल, 20 राज्यों में इमरजेंसी घोषित

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 10 लाख घर अंधेरे में, 13 की मौत

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

कड़कड़ाती सर्दी के बीच उत्तर भारत में मौसम ने करवट ले ली है। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बदले मौसम का प्रभाव देखने को मिल रहा है। जम्मू और कश्मीर के कई इलाकों में सुबह से ही भारी बर्फबारी देखने को मिल रही है।

जम्मू और कश्मीर के पूंछ में 6 साल बाद तेज बर्फबारी हुई है और इससे स्थानीय निवासियों में खुशी का माहौल है। श्रीनगर, पहलगाम, बारामूला, रियासी, गुलमर्ग और पूंछ में सुबह से ही लगातार बर्फबारी हो रही है। पर्यटकों को बर्फबारी का मजा लेते हुए भी देखा गया।

- वर्जीनिया, केंटकी व जॉर्जिया में बिजली संकट
- बर्फीली बारिश से पेड़ और पावर लाइन टूट गए

एयर इंडिया ने फ्लाइट कैंसिल की

भीषण तूफान के कारण एयर इंडिया ने 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। यात्रा संबंधी सलाह में, एयरलाइन ने कहा कि रविवार की सुबह से सोमवार तक न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के क्षेत्रों में भारी बर्फबारी होने की संभावना है, जिससे उड़ान संचालन में दिक्कत हो सकती है।

बर्फ हटाने के लिए 1600 स्नो प्लो 1 लाख 14 हजार टन नमक तैयार

इमरजेंसी घोषित राज्यों में नेशनल गार्ड और रेस्क्यू टीमों को तैनात किया गया है। न्यूयॉर्क गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि बर्फ हटाने के लिए पूरे राज्य में 1,600 से ज्यादा स्नो प्लो मशीन और 1,14,000 टन नमक तैयार है। नमक बर्फीली परत को पिघलाता है, जिससे सड़कों से बर्फ हटाने में आसानी होती है। होचुल ने लोगों से घर से काम करने, जरूरी सामान पहले से जमा करने की अपील की है। उन्होंने बर्फ हटाते समय सावधानी बरतने की अपील की है, क्योंकि इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। न्यूयॉर्क सिटी मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि 2 इंच बर्फ जमा होने पर हजारों सैनिटेशन वर्कर्स, 700 नमक स्प्रेडर और 2,200 स्नो प्लो तैनात किए जाएंगे। सबवे और बसें चलती रहेंगी, लेकिन लोग घर पर रहने की कोशिश करें।

माइनस 45°C तक पहुंचा तापमान

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 20 राज्यों में इमरजेंसी घोषित किया है। फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने कई राज्यों में जरूरी सामान, स्टाफ और सर्च एंड रेस्क्यू टीमों को तैनात किया है। न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल ने कहा कि राज्य को सालों में सबसे लंबी ठंड और सबसे ज्यादा बर्फबारी के लिए तैयार रहना होगा।

खबर संक्षेप

यूक्रेन के लिए अमेरिकी सुरक्षा गारंटी से जुड़े कागज तैयार : जेलेंस्की

विलनियस)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनके युद्धग्रस्त देश के लिए अमेरिकी सुरक्षा गारंटी से जुड़ा दस्तावेज दो दिनों तक चली वार्ता के बाद अब "100 प्रतिशत तैयार" है। इस वार्ता में यूक्रेन, अमेरिका और रूस के प्रतिनिधि शामिल थे। लिथुआनिया की यात्रा के दौरान राजधानी विलनियस में पत्रकारों से बात करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अब अपने साझेदारों द्वारा दस्तावेज पर हस्ताक्षर की तारीख तय किए जाने का इंतजार कर रहा है। इसके बाद यह दस्तावेज पुष्टि (अनुमोदन) के लिए अमेरिकी कांग्रेस और यूक्रेनी संसद में भेजा जाएगा।

कर्नाटक में कार सड़क किनारे खड़ी लॉरी से टकराई, तीन की मौत

तुमकुरु (भाषा)। तुमकुरु तालुक में सोमवार को एक कार के सड़क किनारे खड़ी एक लॉरी के पिछले हिस्से से टकरा जाने के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना में तीन लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना नेलाहल गांव में हुई जब कार गोकर्णा, उडुपी और मुरुदेश्वर सहित तटीय स्थलों की यात्रा के बाद बेंगलुरु लौट रही थी। पुलिस अधिकारी ने कहा, ₹कार ने लॉरी को पीछे से जोरदार टक्कर मारी। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के अनिकेत (42) और अभीर (44) तथा आंध्र प्रदेश की संमुख्ती (35) के रूप में हुई है। तीनों बेंगलुरु में रहते थे।

सहायिका से बलात्कार करने के आरोप में अभिनेता गिरफ्तार

मुंबई (भाषा)। मुंबई में अभिनेता को अपनी घरेलू सहायिका से शादी का वादा करके उससे 10 साल तक बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि 41 वर्षीय महिला की शिकायत के आधार पर नदीम खान को 22 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था और वह इस समय पुलिस हिरासत में हैं। खान हाल में ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' में नजर आए थे। शिकायत के अनुसार, महिला ने विभिन्न अभिनेताओं की घरेलू सहायिका के रूप में काम किया था और वह वर्षों पहले खान के संपर्क में आई थी जिसके बाद वे करीबी दोस्त बन गए थे।

ट्रम्प की 100 फीसदी टैरिफ धमकी पर झुके कनाडाई प्रधानमंत्री

चीन के करीब नहीं जा रहे, हमारे बीच कोई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं : कार्नी

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा हमारे बजाय चीन से दोस्ती बढ़ा रहा, जो उन्हें पहले ही साल में बर्बाद कर देगा। कनाडा पर आरोप लगाते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह नॉर्थ अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोमवार को कहा है कि उनकी सरकार चीन के साथ किसी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर काम नहीं कर रही है और न ही इसका कोई इरादा है।

इससे एक दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने धमकी देते हुए कहा था कि अगर कनाडा चीन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करता है तो कनाडाई सामानों पर 100 फीसदी टैरिफ लगा दिया जाएगा। कार्नी ने कहा कि हम कनाडा-अमेरिका-मेक्सिको समझौता (सीयूएमए) के तहत हम किसी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के साथ मुक्त व्यापार समझौता करने से पहले सूचना देंगे। हमारा चीन या किसी दूसरे ऐसे देश के साथ ऐसा ट्रेड करने का कोई इरादा नहीं है। कनाडा पर आरोप लगाते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह नॉर्थ अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा है।

कनाडा अमेरिका मेक्सिको समझौता

अमेरिकी राष्ट्रपति की चेतावनी- कनाडा को सालभर में ही चीन खा जाएगा

कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाना चाहते हैं ट्रम्प

ट्रम्प कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कह चुके हैं। कार्नी ने पिछले साल मई में ट्रम्प से व्हाइट हाउस में मुलाकात की थी। इस दौरान कार्नी ने ट्रम्प से साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है। दरअसल, बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा था कि अगर कनाडा अमेरिका में शामिल होता है तो वहां के लोगों को कम टैक्स, बेहतर सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। इस पर कार्नी ने ट्रम्प को जवाब देते हुए कहा कि जैसे रियल एस्टेट में कुछ जगहें कभी बिक्री के लिए नहीं होतीं, वैसे ही कनाडा भी कभी बिकाऊ नहीं है।

ट्रम्प ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक के बाद एक पोस्ट में कनाडा को चेतावनी दी थी कि अगर वह चीन के साथ गहरा व्यापार संबंध बढ़ाता है तो गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। ट्रम्प ने कहा कि अगर कार्नी ये सोचते हैं कि वे कनाडा को चीन का ऐसा रास्ता बना देंगे जहां से चीन अपना सामान अमेरिका भेज सके तो वे गलत हैं। ट्रम्प ने कहा कि चीन, कनाडा को पूरी तरह नुकसान पहुंचा देगा। चीन, कनाडा के कारोबार, समाज और जीवनशैली को खत्म कर देगा और देश को पूरी तरह निगल जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कहा कि अगर कनाडा ने चीन के साथ कोई समझौता किया, तो अमेरिका तुरंत कनाडा से आने वाले सभी सामानों पर 100% टैरिफ लगा देगा। ट्रम्प ने शुक्रवार को भी कहा था कि चीन, कनाडा को एक साल के अंदर ही खा जाएगा। कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ट्रम्प के 'गोल्डन डोम' मिसाइल प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प इससे नाराज हो गए हैं। कनाडा हमारे बजाय चीन से दोस्ती बढ़ा रहा, जो उन्हें पहले ही साल में बर्बाद कर देगा। कनाडा पर आरोप लगाते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह नॉर्थ अमेरिका की सुरक्षा के लिए खतरा है।

कनाडा और अमेरिका के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट

अमेरिका और कनाडा एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं, जहां हर रोज लगभग 15 हजार करोड़ रुपए के सामान और सेवाओं का आदान-प्रदान होता है। 2024 में, द्विपक्षीय व्यापार का कुल मूल्य लगभग 79 लाख करोड़ रुपए का था, जिसमें अमेरिका का कनाडा के साथ माल व्यापार घाटा 5.21 लाख करोड़ रुपए रहा। यूएसएमसीए (यूनाइटेड स्टेट्स-मेक्सिको-कनाडा एग्रीमेंट) दोनों देशों के बीच एक अहम समझौता था। यह 2020 में लागू हुआ था। यह समझौता मुक्त व्यापार को बढ़ावा देता है। 2026 में इसकी समीक्षा होनी है। यूएसएमसीए के तहत सामान (81% आयात) पर छूट होती है। अमेरिका को मिलने वाला कच्चा तेल, गैस और बिजली का बड़ा हिस्सा कनाडा से आता है। इसके अलावा ऑटो पार्ट्स, लकड़ी और कृषि उत्पाद भी अमेरिका में कनाडा से बड़े पैमाने पर जाते हैं। कनाडा अपने कुल निर्यात का बड़ा हिस्सा अमेरिका को भेजता है। मशीनरी, टेक्नोलॉजी, दवाइयां और उपभोक्ता सामान के मामले में कनाडा अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है।

फिलीपींस में बड़ा हादसा

350 सवारियों से भरी फेरी समंदर में डूबी, अब तक 15 शव बरामद

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फिलिपींस के दक्षिणी इलाके में एक द्वीप के पास एक बड़ा बोट हादसा हुआ है। सोमवार सुबह यहां एक द्वीप के पास 350 से ज्यादा लोगों को ले जा रही एक फेरी डूब गई। हादसे में अब तक 15 लोगों की मौत हुई है जबकि 28 लोग लापता हैं। समाचार एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, बचाव दल ने कम से कम 301 यात्रियों को बचा लिया है। कोर्ट गार्ड के अधिकारियों ने बताया कि यह एक इंटर-आइलैंड कार्गो और पैसेंजर फेरी थी, जो जाम्बोआंगा के बंदरगाह शहर से सुलु प्रांत में जोलो आइलैंड की तरफ जा रही थी। फेरी में 332 यात्री और 27 क्रू सदस्य सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि आधी रात के बाद उसमें तकनीकी खराबी आ गई और वह डूबने लगी। कोस्ट गार्ड ने बताया कि रवाना होने के लगभग 4 घंटे बाद जहाज ने स्थानीय समयानुसार रविवार और सोमवार की दरमियानी रात सुबह 1.50 बजे संकट का सिग्नल भेजा।

- फेरी में 332 यात्री और 27 क्रू सदस्य सवार थे

वजह की हो रही जांच

कोस्ट गार्ड कमांडर रोमेल दुआ ने एएफपी को बताया कि फेरी बालुक द्वीप गांव से लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर डूब गई। बचे हुए लोगों को इसी द्वीप पर लेकर जाया गया। उन्होंने कहा कि 316 लोगों को रेस्क्यू करके आइलैंड पर पहुंचा गया जिसमें 15 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। 28 लोग अभी भी लापता हैं। फेरी के डूबने की वजह का अभी तक पता नहीं चल सका है। इसकी जांच की जाएगी। साथ ही बताया कि कोस्ट गार्ड ने पोर्ट से निकलने के पहले फेरी को क्लियर कर दिया था और ओवरलोडिंग का कोई संकेत नहीं था।

नेवी और एयरफोर्स भी ऑपरेशन में शामिल

दुआ ने एएफपी को बताया कि एक कोस्टगार्ड विमान भी ऑपरेशन में मदद के लिए भेजा गया। नौसेना और वायु सेना ने भी रेस्क्यू में मदद के लिए अपनी टीमें भेजीं हैं। बसिलन के गवर्नर मुजीव हाटामन ने मिंडानाओ के इस्साबेला पोर्ट पर घटनास्थल के वीडियो क्लिप फेसबुक पर साझा किए हैं। इसमें बचाए गए लोगों को नावों से उतारा जा रहा है। कुछ को स्ट्रेचर पर ले जाया जा रहा है। उन्होंने स्थानीय रेडियो से बातचीत में कहा कि ज्यादातर बचे हुए लोग ठीक हैं लेकिन कई बुजुर्ग यात्रियों इमरजेंसी मेडिकल केयर की जरूरत है।

विदेशों में भारतीयों ने 77वां गणतंत्र दिवस मनाया

बीजिंग/वाशिंगटन (भाषा)। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधान पहने प्रवासी भारतीयों ने विभिन्न देशों में सोमवार को पूरे उत्साह के साथ 77वां गणतंत्र दिवस मनाया। प्रवासी नागरिकों ने विभिन्न देशों में स्थित भारतीय मिशन में गणतंत्र दिवस मनाया। इस अवसर पर विभिन्न मिशन में राष्ट्रध्वज फहराया गया। वाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि धूमधाम से आयोजित इस समारोह में स्थानीय भारतीय प्रवासी समुदाय, चीनी समुदाय और राजनयिक एवं वाणिज्यदूत समुदाय सहित 400 से अधिक 'फ्रेंड्स ऑफ इंडिया' शामिल हुए जिनमें "हमारे यूरोपीय संघ के मित्रों और साझेदारों का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 महावाणिज्यदूत" भी थे। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर भारत को एक विशेष संदेश दिया। रुबियो ने रविवार को जारी संदेश में कहा, "मैं भारत के गणतंत्र दिवस पर अमेरिका के लोगों की ओर से भारतीयों को हार्दिक बधाई देता हूं।" उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के समूह का उल्लेख करते हुए कहा, "अमेरिका और भारत के बीच एक ऐतिहासिक संबंध है।

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने मुर्मू को गणतंत्र दिवस की बधाई दी

चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के राष्ट्र के नाम संबोधन के अंश पढ़े। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे समारोह में गूंजते रहे और सभी ने गर्व एवं एकता की भावना के साथ राष्ट्रगीत गाया। इस दौरान आयोजित एक प्रदर्शनी में 'वंदे मातरम' का इतिहास दर्शाया गया और स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष के दौरान देश को एकजुट करने में इसकी प्रभावशाली भूमिका को रेखांकित किया गया।

पश्चिम बंगाल के गोदाम में आग लगी, सात घंटे बाद काबू पाया

भाषा ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में सोमवार तड़के एक गोदाम में आग लग गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह गोदाम कोलकाता में पूर्वी बाहरी इलाके के नजीराबाद में स्थित है। गोदाम में लगी आग पर सात घंटे की मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि तड़के तीन बजे आग लगने की सूचना मिली और इसे दमकल की 12 गाड़ियों की मदद से बुझाया गया। आग पर सुबह करीब 10 बजे काबू पा लिया गया। दमकल विभाग के अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ और न

ही कोई लापता है। गोदाम के कुछ कर्मचारियों ने हालांकि दावा किया कि जब आग का पता चला, उस समय उनके तीन सहकर्मी रात्रि पाली में काम कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का कारण अभी पता नहीं चला है और इससे हुए नुकसान का आकलन भी अभी नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि घटना की जांच की जाएगी।

कन्नूर में परेड के दौरान केरल के मंत्री बेहोश हुए

कन्नूर (केरल) (भाषा)। केरल के मंत्री कदन्नापल्ली रामचंद्रन सोमवार को यहां गणतंत्र दिवस परेड के दौरान अचानक बेहोश हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। कांग्रेस (सेक्युलर) के वरिष्ठ नेता रामचंद्रन गणतंत्र दिवस समारोह का नेतृत्व कर रहे थे, तभी वह मंच पर गिर पड़े। उन्हें तत्काल एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई गई है। अधिकारियों के अनुसार, रामचंद्रन ने यहां एक स्टेडियम में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराया और पुलिस टुकड़ी की सलामी ली। इसके बाद उन्होंने अपना संबोधन दिया और कार्यक्रम के समापन से ठीक पहले बेहोश हो गए। पुलिस के अधिकारियों ने उन्हें तुरंत संभाला।

थरूर का माकपा के साथ बातचीत की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार

एजेंसी ▶▶ तिरुवनंतपुरम

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने कहा कि उन्होंने ऐसी खबरें देखी हैं जिनमें दावा किया गया है कि उन्होंने दुबई में माकपा से जुड़े लोगों के साथ चर्चा की है, हालांकि उन्होंने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वह दुबई में एक साहित्य महोत्सव में भाग ले रहे हैं। थरूर से रविवार को पत्रकारों ने इन खबरों पर उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए संपर्क किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने दुबई की यात्रा के दौरान ऐसी खबरें देखीं, लेकिन विदेश में रहते हुए ऐसे मामलों पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य के किसी अन्य राजनीतिक दल में जाने की अटकलें इन दावों के बाद सामने आईं कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कोच्चि में हाल के एक कार्यक्रम में उनकी कथित तौर पर उपेक्षा किए जाने और राज्य में पार्टी नेताओं द्वारा उन्हें "दरकिनार करने" से नाराज हैं। केरल में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के संयोजक टीपी रामकृष्णन ने रविवार को थरूर के साथ किसी भी तरह की चर्चा की खबरों से इनकार किया।

चीन ने जापान से वापस मांगे अपने जुड़वां पांडा

आखिरी बार देखने पहुंचे हजारों लोग, 50 साल बाद बिना पांडा के रह जाएगा जापान

एजेंसी ▶▶ टोक्यो

जापान के पांडा प्रेमियों के लिए यह हफ्ता भावुक करने वाला है। टोक्यो के उएनो चिड़ियाघर में मौजूद आखिरी दो जुड़वां पांडा शाओ शाओ और लेई लेई 27 जनवरी को चीन लौट रहे हैं। इन पांडा पर चीन का मालिकाना हक है। रविवार को चिड़ियाघर में इन्हें आखिरी बार सार्वजनिक तौर पर दिखाया गया। हजारों लोग आखिरी बार पांडा देखने पहुंचे। चिड़ियाघर ने हर विजिटर को सिर्फ एक मिनट का समय दिया था। इसके बावजूद लोग पांडा-थीम वाले खिलौनों के साथ पहुंचे, उनके नाम पुकारते रहे और मोबाइल से फोटो-वीडियो बनाते दिखे। कई लोग टिकट न मिलने के बावजूद चिड़ियाघर आए, ताकि इस विदाई के गवाह बन सकें। इनके जाने के बाद जापान पहली बार पिछले करीब 50 साल में बिना पांडा रह जाएगा। इनकी विदाई के पीछे जापान और चीन के बीच बिगड़ते रिश्ते बड़ी वजह माने जा रहे हैं।

- विदाई के पीछे जापान और चीन के बीच बिगड़ते रिश्ते बड़ी वजह माने जा रहे

चीन लौट रहे जुड़वा पांडा शाओ शाओ और लेई लेई

दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी

हाल के महीनों में टोक्यो और बीजिंग के रिश्तों में तनाव बढ़ा है। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के उस बयान से चीन नाराज है, जिसमें उन्होंने कहा था कि ताइवान पर चीन की किसी भी कार्रवाई से जापान दखल दे सकता है।टोक्यो महानगर सरकार की ओर से नए पांडा भेजने के अनुरोध के बावजूद चीन ने साफ कर दिया है कि फिलहाल उएनो चिड़ियाघर में पांडा भेजने की कोई योजना नहीं है। चीन के सरकारी अखबार बीजिंग डेली ने एक विशेषज्ञ के हवाले से कहा कि अगर तनाव बना रहा तो जापान में भविष्य में पांडा दिखाई ही नहीं देंगे। जापान में पांडा डिप्लोमेसी पहले भी राजनीति से टकरा चुकी है। 2011 के भूकंप और सुनामी के बाद सेंदाई शहर में पांडा लाने की योजना 2012 के क्षेत्रीय विवाद के बाद रद्द कर दी गई थी।

1972 में भेजे थे

चीन ने 1972 में पहली बार जापान को पांडा भेजे थे। यह तोहफा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध सामान्य होने का प्रतीक था। काले-सफेद पांडा जल्द ही जापान में बेहद लोकप्रिय हो गए और बाद के दशकों में आए पांडा राष्ट्रीय सितारों जैसे माने जाने लगे। पांडा लंबे समय से चीन की कूटनीति का हिस्सा रहे हैं। 1970 के दशक में चीन ने अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देशों को भी पांडा तोहफे में दिए थे। 1980 के दशक के बाद चीन ने गिफ्ट की जगह लीज सिस्टम शुरू किया, जिसके तहत विदेशी चिड़ियाघर संरक्षण और रिसर्च के लिए शुल्क देते हैं।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com